जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, शनिवार 29 मार्च, 2025

विचार बिन्दु

सब लोग दाता नहीं तो कम से कम उदार तो बन ही सकते हैं। –अफलातून

राजस्थान दिवस का उत्सवी आयोजन :

जनोन्मुखी सोच से होगा खुशहाल राज्य का सपना साकार

एक जन कल्याणकारी सरकार का यह प्राथमिक कर्तव्य और दायित्व है कि आम जन से कदम से कदम मिलाकर रोजमर्रा के कार्यों के लिए सरकार और जन साधारण के बीच आपसी संवाद को और आसान कैसे बनाया जाये, इसके लिए अधिक तत्परता व सजगता से काम करना होगा। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार सुशासन के महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं। इन मूलभूत सुविधाओं को आसानी से बिना विघ्न बाधा के सभी को सुलभ करने के लिए सरकार और जन प्रतिनिधियों को एक जुट होकर प्रयास करने की जरुरत है तभी राजस्थान दिवस के उत्सवी कार्यक्रमों से हमाराखुशहाल राज्य का सपना साकार होगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल 25 मार्च से राजस्थान दिवस के साप्ताहिक कार्यक्रमों के जरिये जनसेवा की अपनी सोच को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक विकास, समाज के कमजोर और पिछड़े वर्ग के कल्याण और आधारभूत ढांचे को जन आंकाक्षाओं के अनुरूप मजबूत बनाने में जुटे हैं। राज्य की डबल इंजन सरकार प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की भावना के अनुरूप एक खुशहाल, शिक्षित, संवेदनशील और समृद्ध राजस्थान के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मुख्य मंत्री का मानना है, जब समाज के सभी वर्ग सौहार्दपूर्वक इस दिशा मैं प्रयासरत होंगे तभी हम एक सशक्त राजस्थान का नवनिर्माण कर पाएंगे। हम सुनिश्चित करते हैं कि समाज के सभी वर्गों के साथ बेहतर तालमेल के साथ कार्य हो। राजस्थान स्थापना दिवस के कार्यक्रम प्रदेशभर में गरिमा के साथ आयोजित किये जा रहे है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सोच और मंशा के अनुरूप 25 मार्च से आयोजित हो रहे राजस्थान दिवस महोत्सव के कार्यक्रमों में जनभागीदारी देखी जा रही है। मुख्यमंत्री का कहना है कार्यक्रमों की संख्या नहीं गुणवत्ता एवं गरिमा के साथ आयोजन पर ध्यान दिया जाए। राजस्थान दिवस समारोह का साप्ताहिक आगाज 25 मार्च को मरूधरा बाड़मेर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित मातृवन्दन को समर्पित 'महिला सम्मेलन' से हुआ। इस अवसर पर 5 हजार महिलाओं को इंडेक्शन कुक टॉप का वितरण किया गया। साथ ही स्वामी विवेकानन्द स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस के अंतर्गत 164 छात्राओं को चयन पत्र का वितरण किया। गार्गी पुरस्कार, बालिका प्रोत्साहन एवं मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना के अन्तर्गत 31 हजार 790 बालिकाओं को 13.16 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की। राजकीय महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसी क्रम में हमने आज विभिन्न जिलों के 36 महिला महाविद्यालयों में ये सुविधा प्रारंभ की है। वर्ष 2025–26 के बजट में वंचित वर्गों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगों के लिए संचालित आवासीय संस्थानों का मैस भत्ता बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रतिमाह कर दिया है। सभी संभागीय मुख्यालयों पर 50 बेड के सरस्वती हाफ वे होम्स के माध्यम से बालिका गृहों में निवास करने वाली बालिकाओं के 18 वर्ष की होने के बाद भी उन्हें हैंड होल्डिंग की जरूरत होने पर सुविधा भी दी जाएगी। इसी तरह नारी उत्थान के लिए प्रदेश में 10 जिला मुख्यालयों पर बालिका देखभाल संस्थान की स्थापना, नवगठित नगरीय निकायों सहित अन्य क्षेत्रों में महिलाओं हेतु 500 पिंक टॉयलेट का निर्माण, हर ब्लॉक पर रानी लक्ष्मी बाई केंद्र की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। सोलर दीदी के रूप में नया कैडर बनाकर आगामी वर्ष पहले चरण में स्वयं सहायता समूह की 25 हजार महिलाओं को सोलर दीदी के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। साथ ही, राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं को अंतिम 5 महीनों में अतिरिक्त पोषण के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण न्यूट्रीकिट योजना प्रारंभ की जा रही है।

राज्य की डबल इंजन सरकार प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की भावना के अनुरूप एक खुशहाल, शिक्षित, संवेदनशील और समृद्ध राजस्थान के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मुख्य मंत्री का मानना है, जब समाज के सभी वर्ग सौहार्दपूर्वक इस दिशा मैं प्रयासरत होंगे तभी हम एक सशक्त राजस्थान का नवनिर्माण कर पाएंगे। हम सुनिश्चित करते हैं कि समाज के सभी वर्गों के साथ बेहतर तालमेल के साथ कार्य हो।

राजस्थान दिवस उत्सव के दूसरे दिन 26 मार्च को बीकानेर में किसान सम्मेलन एवं किसान उत्पादक संगठन कार्यक्रम के मुख्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 30 हजार किसानों को 137 करोड़ रुपये का अनुदान हस्तान्तरण किया गया। साथ ही, इसमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि राशि में वृद्धि एवं मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के दिशा–निर्देश जारी किए गए। इसके अलावा मंगला पशु बीमा योजना में लाभान्वितों का दायरा भी बढ़ाया गया है। कार्यक्रम में पशुधन नि:शुल्क आरोग्य योजना के अन्तर्गत नि:शुल्क उपलब्ध करवाये जा रहे औषधियों व टीकों की संख्या बढाकर200 किए जाने तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के विभिन्न दिशा–निर्देश जारी किए गए। ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बैल से खेती करवाये जाने पर 30 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि के दिशा–निर्देश जारी किए गए। पीएमएफएमई योजना के तीन एफपीओ को अनुदान के तथा एक एफपीओ को शेयर मनी के चैक वितरण किए गए। मुख्यमंत्री का कहना है यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं। केन्द्र सरकार द्वारा 10 हजार एफपीओ का गठन किया गया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत राज्य में 72 लाख से अधिक किसानों को 1 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित, लगभग 47 लाख किसानों को 29 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालीन ब्याजमुक्त फसली ऋण तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बीमा क्लेम वितरित किए गए हैं। राज्य सरकार के लिए किसान हित पहली प्राथमिकता है। राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में किसान सम्मान निधि में सहायता राशि को 6 हजार रूपये से बढ़ाकर 8 हजार किया, जिसे अब बढ़ाकर 9 हजार रूपये कर दिया गया है। इसी भांति मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 20 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण, पशुधन नि:शुल्क आरोग्य योजना के तहत नि:शुल्क औषधियां और टीके उपलब्ध कराना, मोबाइल वेटनरी सेवा नंबर 1962 प्रारंभ करने, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना के तहत लगभग 34 हजार पात्र गोपालकों के ऋण स्वीकृति सहित विभिन्न निर्णयों से पशुपालकों को राहत दी जा रही है।

राजस्थान दिवस महोत्सव के तीसरे दिन गुरुवार को भरतपुर में आयोजित अन्त्योदय कल्याण कार्यक्रम के दौरान डीबीटी के माध्यम से 92 हजार से अधिक निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये की राशि का हस्तांतरण किया गया। साथ ही, डांग, मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय विकास योजनाओं के लिए 300 करोड़ रुपये (प्रति योजना 100 करोड़ रूपए) की राशि आवंटित की गई । कार्यक्रम में प्रदेशभर में स्वामित्व कार्ड योजना के तहत 20 हजार पट्टों का वितरण, 311 लोगों को डेयरी बूथ अलॉटमेंट, माटी कलाकारों को विद्युत चालित चाक का वितरण भी किया गया। दिव्यांगजनों को पावर ड्रिवन व्हील चेयर एवं असिस्टिव डिवाइस वितरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना', गुरू गोलवलकर आशान्वित ब्लॉक विकास योजना, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना की मार्गदर्शिकाओं एवं दिव्यांगजनों के लिए 'समान अवसर नीति 2025' का विमोचन भी किया। साथ ही, दादूदयाल घुमन्तू सशक्तीकरण योजना', मा (MAA) नेत्र वाउचर योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (MAA) के नूप पैकेज व विधायक जनसुनवाई केंद्र स्थापित किए जाने के संबंध में भी दिशा–निर्देश जारी किए। ग्रामीण विकास के ई–वर्क पोर्टल 2.0 एवं मोबाइल ऐप का भी शुभारंभ किया। राजस्थान दिवस सप्ताह के चौथे दिन शुक्रवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीलवाड़ा में विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं के दिशा–निर्देश जारी करने के साथ ही 10 हजार करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसके अलावा, राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना का शुभारंभ करने के साथ सभी जिलों की पंच गौरव पुस्तिका का विमोचन किया तथा ई उपचार एप और राजस्थान सम्पर्क 2.0 पोर्टल का शुभारंभ भी किया।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राजस्थान दिवस – आत्मावलोकन का अवसर

राजेन्द्र भाणावत

15 अगस्त 1947 को जब देश को स्वतंत्रता मिली, उस समय देश लगभग 500 छोटी–बड़ी रियासतों में बंटा हुआ था। सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रयासों से अलग–अलग रियासतों को भारत में विलय करने का कठिन कार्य किया गया। राजस्थान में भी बाईस रियासतें थीं जिनका एक–एक करके भारत में विलय किया गया। राजस्थान प्रदेश 1947 को ही अस्तित्व में आ गया हो, ऐसी बात नहीं है।

1947 से पूर्व राजस्थान, राजपूताना के नाम से जाना जाता था। जिन रियासतों को मिलाकर राजस्थान बना, उनकी संख्या 22 थी जिनमें टोंक को छोड़ कर सबमें हिन्दू राजाओं का राज था। टोंक रियासत में नवाब का शासन था। ब्रिटिश शासन से सीधे संचालित अजमेर मेरवाड़ा भी राजस्थान का भाग बना।

राजस्थान को वर्तमान स्वरूप में आने से पहले निम्न चरणों से गुजरना पड़ाः–

पहला, 1948 को अलवर,भरतपुर, धौलपुर और करौली को मिलाकर मत्स्य संघ बनाया गया। दूसरे चरण में राजस्थान संघ का गठन हुआ जिसमें जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर की रियासतों को सम्मिलित किया गया। तीसरे चरण में उदयपुर का विलय होने के पश्चात संयुक्त राजस्थान का निर्माण हुआ। चौथे चरण में जयपुर, जोधपुर जैसलमेर और बीकानेर को मिलाकर वृहद राजस्थान का गठन हुआ। यह प्रक्रिया 30 मार्च 1949 को पूरी हुई। इसी दिन को प्रत्येक वर्ष राजस्थान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके पश्चात भी एकीकरण की प्रक्रिया जारी रही और वर्तमान स्वरूप में राजस्थान अंततः 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आया। यह राजस्थान के पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों का परिणाम था।

राजस्थान में बोली जाने वाली बोलियां भी अलग–अलग क्षेत्र में अलग–अलग थीं। जयपुर के आसपास क्षेत्र में ढूंढाड़ी, अजमेर क्षेत्र में मेरवाड़ा, भरतपुर क्षेत्र में ब्रज, जोधपुर क्षेत्र में मारवाड़ी, सीकर–झुंझुनू–चूरू में शेखावाटी, उदयपुर क्षेत्र में मेवाड़ी, सिरोही–जालौर क्षेत्र में गोड़वाड़ी, डूंगरपुर–बांसवाड़ा में वागड़ी, गंगानगर एवं उसके आसपास के क्षेत्र में पंजाबी बोली जाती थी। इस प्रकार राजस्थान का निर्माण तो हो गया किंतु अलग–अलग क्षेत्र की बोलियों, खान–पान, रहन–सहन में काफी अंतर था। यह अंतर आज भी देखा जा सकता है।

राजस्थान, भारत के सबसे अधिक क्षेत्रफल वाला राज्य है जिसका क्षेत्रफल 342239 वर्ग किलोमीटर है जो भारत के कुल क्षेत्रफ़ल का 10.4 प्रतिशत है। राज्य का बहुत बड़ा भू–भाग थार मरुस्थल का हिस्सा है। राजस्थान की सीमा पांच राज्यों पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और गुजरात से लगती है। राज्य की पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा लगभग 1200 किलोमीटर है, जो गंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर, और जैसलमेर में स्थित है। राज्य की जनसंख्या 1947 में लगभग एक करोड़ थी जो वर्तमान में लगभग आठ करोड़ है।

1956 में राज्य में 26 जिले थे, जिनकी संख्या 2023 के चुनाव से पूर्व 50 हो गई थी। अब नौ जिलों को कम करने के कारण वर्तमान में जिलों की संख्या 41 हो गई है। राजस्थान का सकल घरेलू उत्पाद 16 लाख करोड़ रुपए है जो देश के राज्यों में सातवें स्थान पर है। प्रति व्यक्ति जी डी पी 1.67 लाख रुपए है। राजस्थान की अर्थव्यवस्था में प्रमुख योगदान खनिज, पर्यटन और कृषि का है। राज्य में कई खनिज आधारित उद्योग हैं जिनमें मुख्य ज़िंक, लाइमस्टोन, जिप्सम, सिलिका आदि हैं। भारत के कुल सीमेंट उत्पादन में राजस्थान का हिस्सा लगभग 25 प्रतिशत है। ज़िंक का तो लगभग पूरा उत्पादन ही राजस्थान में होता है।

कृषि उत्पादों में गेंहू, सरसों, सोयाबीन, बाजरा, मक्का, ज्वार, धनिया, जीरा मुख्य फसलें हैं। राज्य में कृषि उत्पाद आधारित उद्योगों की प्रचुर संभावना है जिसका समुचित दोहन अब तक नहीं हुआ है। सिंचाई सुविधाओं में विस्तार होने के फलस्वरूप कृषि उत्पादन और उत्पादकता में तेजी से वृद्धि हुई है। राजस्थान राज्य का निर्माण क्योंकि विभिन्न राजे रजवाड़ों को मिलाकर हुआ है, यहां अनेक विश्व प्रसिद्ध किले, महल, हवेलियां स्थित हैं जो पर्यटकीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। पुराने किलों, महलों, हवेलियों में से कई को होटल में परिवर्तित किया जा चुका है। जब हेरिटेज होटल की नई श्रेणी को बनाया गया, तो देश के कुल मान्यता प्राप्त हेरिटेज होटलों में से लगभग 80 प्रतिशत तो राजस्थान में ही थे। राज्य का शिल्प, हस्तकला, लोक कला, लोक संगीत और यहां का आतिथ्य पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण के विषय रहे हैं। राज्य में पर्यटन विकास की जितनी संभावना है, उसका अब तक बहुत सीमित मात्रा में उपयोग हुआ है।

बाड़मेर जिले में तेल की खोज ने अर्थ व्यवस्था में बड़ा योगदान किया है। भारत सरकार द्वारा वहां रिफाइनरी स्थापित होने से न केवल राज्य की आय में अच्छी वृद्धि होगी अपितु अनेक लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार भी मिलेगा। पानी की उपलब्धता में कमी, अवश्य ही अधिक पानी की खपत वाले उद्योगों की स्थापना में बाधक रही है। एक ओर जहां देश का 10.4 प्रतिशत भू–भाग तथा देश की कुल जनसंख्या का 5.6 प्रतिशत राजस्थान में है, वहीं देश में उपलब्ध कुल जल का केवल 1 प्रतिशत ही राजस्थान में है। इन सब चुनौतियों के बावजूद राजस्थान ने स्वतंत्रता के बाद विभिन्न क्षेत्रों में बहुत प्रगति की है।

राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पिछड़ा रहा है। 1951 में साक्षरता प्रतिशत महिलाओं का 3 प्रतिशत, पुरुषों का 15 प्रतिशत और कुल 9 प्रतिशत था। साक्षरता अभियान के प्रभावी और सफल क्रियान्वयन के कारण 1991से 2001 के मध्य साक्षरता में किसी भी राज्य से अधिक वृद्धि राजस्थान में हुई । जो साक्षरता 1991 में 38 प्रतिशत थी, वह बढ़कर 2001में 61 प्रतिशत हो गई । यह सब सरकार और नागरिक संगठनों के सामूहिक प्रयास से ही संभव हो पाया। राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचारों का गढ़ रहा है, जैसे लोक जुंबिश, शिक्षा कर्मी आदि। इन सब प्रयोगों को मुख्य धारा में अपनाने से पहले ही छोड़ देने के कारण शिक्षा की गुणवत्ता में ह्रास हुआ है। राज्य में स्कूली और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संख्यात्मक विकास तो बहुत हुआ किन्तु गुणवत्ता में अब भी बहुत सुधार करने की आवश्यकता है। राज्य में वर्तमान में 1.20 लाख कुल विद्यालय हैं जिनमें से 34000 निजी क्षेत्र में हैं।

गत कुछ सालों में बहुत बड़ी संख्या में कॉलेज और विश्वविद्यालय खोल दिए गए हैं। यहां तक कि प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज खुल गए हैं और विश्विद्यालयों की संख्या भी 100 से अधिक हो गई है किंतु शिक्षकों के अधिकांश पद रिक्त होने से राज्य के विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध नहीं हो पाई है। तेजी से औद्योगिकीकरण और विकास के लिए उपयुक्त मानव संसाधन उपलब्ध होना अत्यंत आवश्यक है। आशा है, इसके महत्व को समझते हुए इस दिशा में आवश्यक कदम सरकार उठाएगी।

राजस्थान में निवेश और रोजगार को तीव्र गति से बढ़ाने के लिए हाल ही में राज्य सरकार ने इन्वेस्ट राजस्थान नाम से बहुत बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें देश–विदेश के कई उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया एवं उन्हें राज्य के विभिन्न पर्यटक की संपदाओं से भी अवगत कराया गया। राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से एवं फिल्म निर्माण के माध्यम से रोजगार बढ़ाने के उद्देश्य से आईफा का आयोजन जयपुर में हाल ही में किया गया। इसके कारण राज्य को एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुन स्थापित होने का अवसर मिला है।

राजस्थान के त्वरित विकास में और इसे अपेक्षा अपराध रहित करने में यहां के नौकरशाही एवं पुलिस की भी बहुत बड़ी भूमिका है। इस दिशा में अभी बहुत कमी है। यहां की नौकरशाही की मानसिकता अभी भी जनोन्मुखी नहीं है। इस कारण कोई भी निर्णय लेने में अत्यधिक देरी होती है और भ्रष्टाचार का बोलबाला भी होता है। यदि राज्य को अपनी प्राकृतिक और ऐतिहासिक संपदा का पूरा उपयोग आर्थिक प्रगति के लिए करना है, तो नौकरशाही को संवेदनशील और त्वरित निर्णय लेने वाला बनाना होगा। राजस्थान वर्तमान में आर्थिक समृद्धि की दृष्टि से सातवें स्थान पर है परन्तु इसमें प्रथम चार राज्यों में आने की पूरी क्षमता है। राजस्थान दिवस सरकार और नागरिकों, दोनों को आत्मावलोकन का अवसर प्रदान करता है कि हम अपने राज्य को गौरवशाली स्थान पर ले जाएं। सरकार का यह कदम स्वागत योग्य है कि वह राजस्थान दिवस पर एक दिन के औपचारिक कार्यक्रम के स्थान पर इस वर्ष पूरे सप्ताह का समारोह आयोजित कर रही है, जिसमें जनता की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है।

आइए, हम आज से ही इस संकल्प को पूरा करने में जुट जाएं।

–राजेन्द्र भाणावत ,
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

देशनोक पुल के निर्माण में खामियां, इस वजह से हो रहे हादसे, जांच में खुलासा

यह खुलासा जिला कलेक्टर की ओर से गठित कमेटी की जांच में हुआ है, जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजी

बीकानेर, (निसं)। देशनोक पुल का निर्माण तकनीकी रूप से सही नहीं हुआ था। इस वजह से अक्सर वहां हादसे हो रहे हैं। यह खुलासा जिला कलेक्टर की ओर से गठित कमेटी की जांच में हुआ है। जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को भेज दी गई है, जिसमें तकनीकी जांच के लिए जयपुर से इंजीनियरों का दल भेजने की सिफारिश की गई है।

जानकारी के अनुसार बीकानेर से करीब 30 किमी दूर देशनोक पुल पर पिछले दिनों एक ट्रोला कार के ऊपर पलट गया था। इस दुर्घटना में कार में सवार छह लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद जिला कलेक्टर ने अतिरिक्त कलेक्टर प्रशासन की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की थी। इस कमेटी ने घटना स्थल का मुआयना किया और रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी।

जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने बताया कि रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजी गई है। पुल का निर्माण तकनीकी रूप से सही नहीं बताया गया है। इसकी जांच के लिए जयपुर से इंजीनियरों का दल भेजने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में पुल में सुधार करने के भी सुझाव दिए गए हैं।

दरअसल कमेटी में आरटीओ, पुलिस, पीडब्ल्यूडी की नेशनल हाइवे विंग के एसई और नागौर एक्सईएन, टोल कंपनी और पुल निर्माण कंपनी के प्रतिनिधियों के अलावा एक्सपर्ट के तौर पर एनएचएआई के परियोजना निदेशक पीयूष रंजन यदुवंशी भी शामिल किया गया था। सभी ने अपनी–अपनी राय दी है। हालांकि कमेटी की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट तक जाएगी। इसलिए इसे गोपनीय रखा गया है।

■ जांच रिपोर्ट में तकनीकी जांच के लिए जयपुर से इंजीनियरों का दल भेजने की सिफारिश की गई है

रिपोर्ट में मोटे तौर पर रोड इंजीनियरिंग को सुधारने पर जोर दिया गया है। इस संबंध में एक्सपर्ट इंजीनियर से भी राय ली तो उन्होंने भी पुल तकनीकी आधार पर गलत बताया है। कलेक्टर की रिपोर्ट को ही अधिकृत माना जाएगा। देशनोक पुल का स्लॉप ज्यादा है। टू लेन पुल में एस कर्व देना ही गलत है। उस पर ओवरटेक की अनुमति नहीं होने का बोर्ड भी नहीं लगा है। गर्मी में यहां का तापमान 50 डिग्री तक जाता है, जिससे डामर पिघल कर इकट्ठा हो जाता है। इससे भारी वाहनों का संतुलन अक्सर बिगड़ता है। ऐसे में पुल की समय–समय पर मरम्मत होती रहनी चाहिए। सेंटर लाइन कंटीन्यू होनी चाहिए। यह इस बात का संकेत होता है कि ओवरटेक ना करें, जबकि पुल पर सेंटर लाइन डॉटेड है। पलाना पुल पर भी ऐसी ही स्थिति है। नागरिक सूचना बोर्ड ही गायब है। 30 लाख से अधिक के काम में नागरिक सूचना बोर्ड डिस्प्ले करना पड़ता है, जिस पर निर्माण एजेंसी का नाम, लागत, गारंटी पीरियड, जिम्मेदार अधिकारी, एक्सईएन और एईएन के मोबाइल नंबर आदि होने चाहिए, जो आजकल नहीं होते। बीकानेर से नागौर तक करीब 108 किलोमीटर रोड टू लेन की जगह फोर लेन बनाई जाएगी। इस मार्ग पर पलाना, देशनोक, नोखा और नागौर पर चारों पुल भी फोर लेन या सिक्स लेन किए जाएंगे।

नेशनल हाइवे नागौर के एक्सईएन दीपक पड़िहार ने बताया कि मार्ग को रि–डिजाइन करने के लिए 91 लाख की डीपीआर के टेंडर हो चुके हैं। एक कंपनी को वर्क ऑर्डर दिया जाना है। कंपनी की सर्वे रिपोर्ट से पता चलेगा कि इस मार्ग पर ट्रैफिक लोड़ कितना बढ़ा है और आने वाले 25 साल में कितना बढ़ेगा। उसके आधार पर इसे फोर लेन और ओवर ब्रिज फोर लेन या सिक्स लेन किए जाएंगे। गौरतलब है कि इस मार्ग का निर्माण कार्य 2022 में पूरा हुआ था। इस पर 370 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। डीपीआर 2013–14 में बनाई गई थी। रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर पुल बनाए गए।

शिक्षक को बकाया वेतन नहीं दिया तो संयुक्त निदेशक का वेतन रोका

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर ने शिक्षा विभाग के चूरू मंडल के संयुक्त निदेशक के वेतन रोकने के आदेश दिए हैं। दरअसल, अदालती आदेश के बाद भी एक शिक्षक को बकाया वेतन भुगतान नहीं करने पर हाईकोर्ट ने ये आदेश दिए हैं।

मामले के अनुसार बीकानेर में वर्तमान में लेक्चरर के रूप में काम करने वाले दिनेश मेघवाल को वर्ष 1997 में नियुक्ति मिली थी। दिनेश को जून माह में वेतन मिला था लेकिन इस महीने का भुगतान नहीं किया गया। दिनेश ने इस मामले में ट्रिब्यूनल में शिकायत दर्ज कराई। वर्ष 2020 में ट्रिब्यूनल ने वेतन देने के आदेश दिए। इसके बाद भी शिक्षा विभाग ने भुगतान करने में आनाकानी की। इसके बाद हाईकोर्ट में अपील की गई। फिर भी शिक्षक को बकाया भुगतान नहीं किया गया। परिवादी के वकील परमेंद्र बोहरा ने अदालत की अवमानना का मामला भी दायर किया। इसके बाद शिक्षा विभाग ने जनवरी में वेतन आदेश तो किए लेकिन अब तक भुगतान नहीं हुआ। बोहरा ने अदालत से इस आशय की शिकायत की तो न्यायाधीश ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से पूछताछ की। विभाग ने एक महीने के भीतर भुगतान करने का विश्वास दिलाया। इस पर न्यायाधीश ने चूरू के संयुक्त निदेशक का वेतन रोकने का आदेश दिया। अधिवक्ता बोहरा ने बताया कि कर्मचारी को समय पर वेतन नहीं देने पर न्यायालय ने सख्ती दिखाई है।

■ हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग के चूरू मंडल के संयुक्त निदेशक के वेतन रोकने के आदेश दिए

ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रम में ऊर्जा बचाने का संदेश दिया

सीकर, (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय सीकर के निर्देशन में स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा के तत्वावधान में सोमवार को विद्यालय कुशालपुरा में ऊर्जा संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय संघ उप प्रधान बीरबल सिंह मूंड की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि राजेंद्र प्रसाद मील सहायक जिला कमिश्नर स्थानीय संघ के सानिध्य में किया गया। कार्यक्रम में ऊर्जा बचाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में सरोज लॉयल, बसंत कुमार लाटा सी.ओ.स्काउट सीकर, राकेश बड़ौदा सरपंच कुशलपुरा, शारदा प्रधानाचार्य महात्मा गांधी गुंगारा, जवाहर सिंह सेवानिवृत्ति व्याख्याता, पुरुषोत्तम सोनी जिला प्रशिक्षण आयुक्त ,रामचंद्र सिंह आर्य समाजसेवी ने अपने–अपने विचारों के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण के बारे में प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में ऊर्जा संरक्षण चेतना रैली के साथ–साथ निबंध, रंगोली, क्विज, पोस्टर, भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण का संदेश जन–जन में पहुंचने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र कुमार पारीक द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में कमलेश कुमार शर्मा, विजय कुमार शर्मा निदेशक श्री श्याम पब्लिक स्कूल, प्रेम सिंह नेहरा, बनवारी लाल, अलिताब धोबी, सौरभ जांगिड़, राधेश्याम शर्मा, आदिल खान, सुभाष चंद्र, मोहम्मद इरफान, जयचंद शुक्ला, कुलदीप, खेमराज, रचना पूनिया, राजकुमार, रामपाल सिंह, संजू उपस्थित रहे।

राशिफल

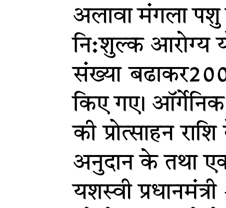

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 29 मार्च, 2025

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शनिवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र सायं 7:27 तक, ब्रह्म योग रात्रि 10:03 तक, नाग करण सायं 4:28 तक, चन्द्रमा मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मीन, चन्द्रमा–मीन, मंगल–मिथुन, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज चैत्री शनिश्चरी अमावस्या, देव पितृकार्य अमावस्या, मन्वादि, पंचक है। आज शनि मीन राशि में रात्रि 9:47 पर प्रवेश करेगा। चान्द संवत्सर 2081 विक्रम सम्वत समाप्त होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:57 से 9:28 तक, चर 12:32 से 2:03 तक, लाभ–अमृत 2:03 से 5:07 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:25, सूर्यास्त 6:39

मेष
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण परेशानी हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

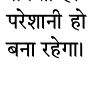

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

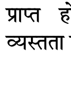

वृश्चिक
परिवार में धार्मिक–सामाजिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों से उचित सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

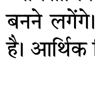

धनु
घर–परिवार में आपसी अनबन–मतभेद हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आज अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

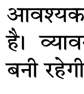

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

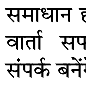

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 350 प्रभात जालोर, शनिवार 29 मार्च, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

पहली बार चिदंबरम, कांग्रेस अधिवेशन की ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य नहीं हैं

इसी प्रकार यह भी पहली बार हो रहा है कि अधिवेशन में केवल एक ही प्रस्ताव पेश किया जायेगा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 मार्च। कांग्रेस पार्टी अहमदाबाद में होने वाले अपने ए.आई.सी.सी. अधिवेशन की तैयारियों में जुटी है, ऐसे में यह पहली बार है जबकि, पी. चिदंबरम ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य नहीं हैं, जो कि- ए.आई.सी.सी. के सम्मुख पेश किए जाने वाले प्रस्ताव को ड्राफ्ट करेगी।

और पहली बार ही ऐसा होगा कि ए.आई.सी.सी. अधिवेशन में सिर्फ एक ही प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

इससे पहले कांग्रेस में परंपरा रही है कि ए.आई.सी.सी. अधिवेशनों में राजनीतिक, आर्थिक, अन्तर्राष्ट्रीय अथवा अन्य किसी विषय पर अध्यक्ष की अनुमति लेकर लगभग आधा दर्जन प्रस्ताव पेश होते आए हैं।

यह भी चर्चा है कि रणदीप सिंह सुरजेवाला को ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष क्यों बनाया गया, जबकि, अभी उनकी उतनी परिपक्वता, वरिष्ठता या बौद्धिक क्षमता नहीं है कि वे निर्णय ले सकें कि क्या-क्या मसले व मुद्दे प्रस्ताव में ज़रुर सम्मिलित होने चाहिए।

- जैसा कि विदित ही है, अहमदाबाद में कांग्रेस का 9 अप्रैल को एकदिवसीय अधिवेशन आयोजित किया गया है और उसमें एक ही प्रस्ताव पेश किया जायेगा। इससे पहले कांग्रेस में परम्परा रही है कि राजनीतिक, इकोनॉमिक, अंतरर्राष्ट्रीय व अन्य किसी विषय पर, अध्यक्ष की अनुमति लेकर, लगभग आधा दर्जन प्रस्ताव पेश होते आये हैं।
- इस बात की भी चर्चा है कि रणदीप सिंह सुरजेवाला को ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष क्यों बनाया गया, जबकि उनकी अभी उतनी परिपक्वता, वरिष्ठता या बौद्धिक क्षमता नहीं है कि वे निर्णय ले सकें कि क्या-क्या मसले व मुद्दे प्रस्ताव में जरुर सम्मिलित होने चाहिये। पहली बैठक में चर्चा इस बात पर सीमित रही कि प्रस्ताव व पेपर की ''थीम'' क्या होनी चाहिये।
- संगठनात्मक पुनर्गठन पर राहुल गांधी की स्पष्ट सोच है कि पार्टी को सहयोगी दलों के दबाव में नहीं आना चाहिये और पार्टी का फोकस डी.सी.सी. को मजबूत करने पर रहना चाहिये।

आज दोपहर को हुई ड्राफ्टिंग कमेटी की पहली मीटिंग में चर्चा इस बात पर सीमित रही कि प्रस्ताव व पेपर की की थीम क्या होनी चाहिए।

वस्तुतः ए.आई.सी.सी. अधिवेशन केवल एक दिन का ही है तथा 9 अप्रैल को आयोजित होगा। आठ अप्रैल को तो कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) की मीटिंग होनी है।

राहुल गांधी की सोच के अनुसार, अधिवेशन में केन्द्रीय मुद्दे होंगे- भाजपा पर प्रहार, मोदी सरकार की अक्षमता, अर्थव्यवस्था में गिरावट तथा आम लोगों की कीमत पर बड़े कॉर्पोरेट घरानो को मनमानी की छूट देना। राहुल गांधी का मानना है कि संगठनात्मक मोर्चे पर, कांग्रेस को विभिन्न राज्यों में अपनी राजनैतिक संभावनाएं पुनः तलाशने एवं प्राप्त करने की जरूरत है तथा पार्टी को अपने मित्र दलों के दबाव के आगे समर्पण नहीं करना चाहिये। इसके अलावा, राहुल अपने इस निर्णय पर अटल हैं कि पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए जिला कांग्रेस कमेटियों को ताकतवर बनाना होगा।

संभावना यह है कि ये सब बातें जुबानी कवायद तक सीमित रहेंगी, क्योंकि नेतृत्व की रूचि केवल उन लोगों की बातें सुनने में रहती है, जो नेतृत्व की प्रशंसा करते हैं, क्योंकि आलोचना और बेबाकी स्वागत और सम्मान योग्य नहीं मानी जातीं।

जस्टिस वर्मा के इलाहाबाद ट्रांसफर पर सरकार की मुहर

नई दिल्ली, 28 मार्च। कैश मामले में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद आदेश जारी किया गया है। हालांकि इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को निर्देश दिया गया है कि जस्टिस वर्मा को कोई न्यायिक काम न सौंपा जाए। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा पर एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा मामले में सुप्रीम कोर्ट की इंटरनल कमेटी जांच कर रही है। रिपोर्ट में कुछ गड़बड़ मिला तो एफआईआर होगी या मामला संसद को भेजा जाएगा। जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने का वहां की बार एसोसिएशन विरोध कर रही है। बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने 27 मार्च को सीजेआई संजीव खन्ना और कॉलेजियम के सदस्यों से मिलकर ट्रांसफर पर पुनर्विचार करने की मांग की थी। एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने शुक्रवार को भारत की न्यायपालिका के लिए सबसे काला दिन बताया। उन्होंने घोषणा की कि वे जस्टिस वर्मा के शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार करेंगे।

- इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने ''शुक्रवार'' को न्यायपालिका का काला दिन बताया और शपथ ग्रहण के बहिष्कार की घोषणा की।

बिहार चुनाव में महिलाओं को ''कैश इन्सैन्टिव'' स्कीम ही, भाजपा की रणनीति का स्तम्भ है

महाराष्ट्र, हरियाणा व दिल्ली चुनाव में यह रणनीति सफल रही है। अतः बिहार में भाजपा ने ''लाडली लक्ष्मी योजना'' प्रस्तावित की है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 मार्च। चुनावाधीन बिहार के लिये भाजपा की प्रचार-योजना को लेकर आश्चर्य करने की जरूरत नहीं है। इस पूर्वी राज्य के नवम्बर में होने वाले चुनावों में महिलाओं के लिए नकदी का प्रलोभन पार्टी की शीर्ष पेशकश हो सकती है।

महाराष्ट्र, हरियाणा तथा दिल्ली चुनावों में अपनाई गई सफल तरकीब के अनुरुप, भाजपा ने बिहार के लिये ''लड़की लक्ष्मी योजना'' के बारे में विचार बनाया है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के वोट पाने के लिये कई उपायों की दिशा में प्रयास शुरु कर दिये हैं, जैसे- पंचायतों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू करना, स्कूल जाने हेतु बालिकाओं के लिए साइकिल-योजना तथा महिलाओं के स्वयं-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने के लिए ''जीविका दीदी'' योजना लागू करना।

नीतीश कुमार ने 2016 में मुख्यतः महिला ग्रुपों की माँग के जवाब में, राज्य में शराबबंदी भी लागू की थी।

- वैसे बिहार में महिलाओं को वोट बैंक बनाने की सोच नीतीश कुमार की थी।
- नीतीश ने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देना शुरु किया था, पंचायतों में, फिर, स्कूल की छात्राओं को साइकिल की सौगात दी और अंत में 2016 में महिलाओं की मांग पर बिहार में नशाबंदी लागू की। पर, नीतीश ने भी महिलाओं को सीधे ''कैश इन्सैन्टिव'' देने की सोच को नहीं अपनाया था।
- पर, अब सभी राजनीतिक पार्टियाँ भी महिलाओं के वोट बैंक के महत्व को समझने लग गई हैं तथा उस वोट बैंक को पोषित कर रही हैं। हेमन्त सोरेने भी दोबारा सत्ता में आये ''मैया सम्मान'' कैश इन्सैन्टिव योजना के कारण तथा केजरीवाल ने भी पंजाब में महिलाओं को ''कैश सहायता'' देने की योजना की घोषणा की, हालांकि, उस वादे की अभी पूर्ति नहीं हुई है।

लेकिन कुमार ने अभी तक सीधे कैश ट्रांसफर की पेशकश नहीं की है। देखना यह है कि कैश ट्रांसफर किये जाने पर भाजपा का फोकस महिला मतदाताओं में कुमार की छवि एवं स्थिति को मजबूत कर पायेगा या नहीं।

इस बहस के बीच कि कैश ट्रांसफर करने की रणनीति असली प्रशासनिक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए अपनाई जाती है, कैश ट्रांसफर करने का ट्रैंड जोर पकड़ चुका है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले विधानसभा चुनावों में ''लाड़ली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

म्यांमार में भारी भूकंप, 150 की मौत और 732 घायल

भूकंप के झटके भारत, थाइलैंड, बाँग्लादेश व दक्षिण पश्चिम चीन में महसूस किए गए

यांगून, 28 मार्च। म्यांमार में शुक्रवार सुबह 11:50 बजे 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसका असर थाईलैंड से लेकर पूर्वोत्तर भारत तक दिखाई दिया। सरकार ने चेतावनी दी कि अगले 24 घंटों में और भी भूकंप आ सकते हैं। म्यांमार में भूकंप में अब तक लगभग 150 लोग मारे गए हैं और 732 घायल हुए हैं। सेना ने कहा है कि मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है।

बैंकॉक में भूकंप के तेज झटके ने काफी नुकसान पहुंचाया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि बैंकॉक में एक इमारत के ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़ कर आठ हो गई है। बैंकॉक के उप राज्यपाल तविदा कामोलवेज ने कहा कि एक अन्य व्यक्ति की भी अलग स्थान पर मौत हुई है। ऐसे में यहां मौत का कुल आंकड़ा 9 हो गया है। बचाव दल के अनुसार, निर्माण स्थल पर अभी भी 100 से अधिक लोग लापता हैं।

- 7.7 रिक्टर तीव्रता के इस भूकंप को रैड कैटगरी में रखा गया है। इसमें दस हजार से एक लाख तक मौतें होने की संभावना होती है।
- थाइलैंड में भूकंप से एक इमारत ढह गई, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई व 100 से ज्यादा लोग लापता हैं।

भारी तबाही के कारण थाईलैंड की प्रधानमंत्री पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा ने इमरजेंसी घोषित कर दी है।

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, इस भूकंप से होने वाली मौतों की आशंका को रेड कैटेगरी में रखा गया है। इस कैटेगरी में 10 हजार से 1 लाख मौतें तक हो सकती हैं।

म्यांमार, थाईलैंड, बांग्लादेश, भारत और दक्षिण-पश्चिम चीन सहित, 5 देशों में भूकंप का असर देखा गया। यहां के कई इलाकों में तेज झटके महसूस किए गए। भारत में कोलकाता, इंफाल, मेघालय और ईस्ट कार्गो हिल में झटके महसूस किए गए। बांग्लादेश में ढाका, चटगांव समेत कई हिस्सों में 7.3 तीव्रता के झटके आए। म्यांमार में 12 मिनट बाद फिर 6.4 तीव्रता का आफ्टरशॉक आया।

म्यांमार में धरती की सतह के नीचे की चट्टानों में मौजूद एक बहुत बड़ी दरार है, जो देश के कई हिस्सों से होकर गुजरती है। यह दरार म्यांमार के सागाइंग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय कर्मचारियों का 2 प्रतिशत डीए बढ़ा

नई दिल्ली, 28 मार्च। केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए एक अच्छी खबर दी है। सरकार ने महंगाई भत्ता (डीए) और पेंशनरों के लिए महंगाई राहत (डीआर) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। यह बढ़ोतरी 1 जनवरी से लागू होगी। इससे लगभग 48.66 लाख सरकारी कर्मचारियों और 66.55 लाख पेंशनरों को फायदा होगा।

- पैन्शनरों को भी मंहगाई राहत में दो प्रतिशत की वृद्धि दी गई।

सरकार के अनुसार महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर हर साल 6614.04 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में यह बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि इनकी दरों में साल में दो बार बदलाव होता है। एक बदलाव आमतौर पर मार्च में होता है और दूसरा दिवाली से पहले अक्टूबर में होता है।

पिछले साल अक्टूबर में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद महंगाई भत्ता बेसिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीकानेर सैंट्रल जेल से मु.मंत्री को जान से मारने की धमकी मिली

14 महीने में चौथी बार मुख्यमंत्री भजनलाल को धमकी दी गई है

बीकानेर, 28 मार्च (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाला बीकानेर सेंट्रल जेल का बंदी है। उससे मोबाइल फोन बरामद हुआ है। चौदह महीने में यह चौथी बार है, जब सीएम को धमकी दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी आदिल ने शुक्रवार सुबह 7:30 बजे बीकानेर पुलिस कंट्रोल रूम को मोबाइल से कॉल किया और सीएम को जान से मारने की बात कही। सुबह 8:40 बजे आदिल को गिरफ्तार कर लिया। आदिल ने कॉल क्यों किया और उसके पास मोबाइल कैसे पहुंचा, इसकी छानबीन की जा रही है। जांच में पता चला है कि आदिल नशे का आदी है। उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं है। वह पहले भी अपने हाथों की नसें काट चुका है।

- जाँच में पता चला कि बीकानेर सैंट्रल जेल से बंदी आदिल ने यह कॉल किया था, पुलिस ने उससे मोबाइल बरामद किया है।

सूत्रों के अनुसार, आरोपी को बीकानेर सैंट्रल जेल में नशीला पदार्थ नहीं मिल रहा था, इसलिए वह दूसरी जेल में शिफ्ट होना चाहता था। इसी वजह से उसने ये धमकी भरा कॉल किया। जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने बताया कि जेल पुलिस ने अपने स्तर पर ही सर्च अभियान चलाकर आदिल को गिरफ्तार किया है।

इससे पहले, 21 फरवरी की रात को सीएम भजनलाल को दौसा जेल से जान से मारने की धमकी मिली थी। पॉक्सो मामले में जेल में बंद आरोपी ने श्यालवास स्थित सैंट्रल जेल से पुलिस कंट्रोल रुम को 12 बजकर 45 मिनट से लेकर 12 बजकर 55 मिनट के बीच 10 मिनट में दो कॉल किए थे। श्यालवास जेल से 27 जुलाई 2024 को भी जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल कर सीएम को जान से मारने की धमकी दी गई थी। जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने जेल में सर्च अभियान चलाकर मोबाइल जब्त किए थे। धमकी देने वाले कैदी के खिलाफ पापड़दा थाने में मामला दर्ज किया गया था। साथ ही, जेल में सिम पहुंचने वाले एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया था। इसके अलावा, जनवरी 2024 में जयपुर की सेंट्रल जेल में बंद पॉक्सो एक्ट के बंदी ने ही कंट्रोल रूम में कॉल कर सीएम को गोली मारने की धमकी दी थी।

इसके बाद कॉल काटकर मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया था। पुलिस टीम ने तकनीकी आधार पर जांच शुरू करके धमकी देने वाले आरोपी की पहचान की थी। इस दौरान जेल में बंदियों से मोबाइल भी जब्त किए गए थे।

ज्ञातव्य है कि गत 26 मार्च को डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा को जान से मारने की धमकी मिली थी। बदमाश ने जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में कॉल किया था। जिस नंबर से फोन आया, उस मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की गई। मोबाइल की लोकेशन जयपुर सेंट्रल जेल आई। ड्यूटी ऑफिसर ने धमकी भरा फोन आने की सूचना सीनियर्स को दी।

जसवंतपुरा डिस्कॉम के जेईएन को सात हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

कॉम्पलेक्स में लगे विद्युत कनेक्शन को 1 के.वी. सिंगल फेस से 15 के.वी. फेस में भार वृद्धि बढ़ाने के लिए रिश्वत मांगी थी

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय जयपुर के निर्देशन में शुक्रवार को ए.सी.बी. जालोर इकाई द्वारा ट्रेप की कार्रवाई करते हुए जालोर जिले के जसवंतपुरा डिस्कॉम के कनिष्ठ अभियंता अंकित तिवारी को विद्युत कनेक्शन की भार वृद्धि बढ़ाने के लिए सात हजार रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी., जालोर इकाई को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी के जसवंतपुरा में रामसीन रोड पर स्थित कॉम्पलेक्स में लगे विद्युत कनेक्शन को 1 के.वी. सिंगल फेस से 15 के.वी. फेस में भार वृद्धि (लोड बढ़ाने) करने हेतु परिवादी से सात हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है, जिस पर एसीबी जोधपुर, रेंज उप महानिरीक्षक हरेन्द्र कुमार महावर के सुपरवीजन में ए.सी.बी. जालोर ईकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मांगीलाल राठौड के नेतृत्व में शुक्रवार मय टीम के ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी अंकित तिवारी पुत्र श्यामलाल तिवारी, निवासी पारसनाथ फैक्ट्री के पीछे आबूरोड, जिला सिरोही हाल कनिष्ठ अभियंता जोधपुर डिस्कॉम, जसवंतपुरा जिला जालोर द्वारा परिवादी से सात हजार रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरवीजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

■ एसीबी की अति. महानिदेशक पुलिस के सुपरवीजन में आरोपी से पूछताछ जारी है, एसीबी द्वारा मामले में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा

जालोर के जसवंतपुरा डिस्कॉम के जेईएन अंकित तिवारी को सात हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

कार हादसे में घायल हुई महिला की मौत

अनूपगढ़, (निसं)। सड़क हादसे में घायल महिला की मौत हो गई। बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। हादसा नेशनल हाईवे 911 पर हुआ था।

एएसआई कालूराम ने बताया कि संतोष देवी (42) की मौत हो गई। घटना 24 मार्च की दोपहर करीब 2:30 बजे की है। संतोष देवी अपने पति मनीराम मेघवाल (45), 14 महीने की बच्ची और चालक अमनदीप के साथ घड़साना से अनूपगढ़ लौट रही थी। रास्ते में अचानक कार का टायर फट गया। इससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में संतोष देवी को गंभीर चोटें आईं। अन्य तीन लोग मामूली चोटों के साथ बच गए। घायल संतोष देवी को पहले अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बीकानेर रेफर कर दिया गया। पीबीएम ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान 26 मार्च की रात उनकी मौत हो गई। एएसआई कालूराम ने बीकानेर पहुंचकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की। शव परिजनों को सौंप दिया है।

दिनदहाड़े फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

■ फायरिंग करने वाले मुख्य षड़यंत्रकर्ता की तलाश जारी

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने आवाज लगा कर मकान के बाहर बुलाकर पीड़ित पर फायरिंग करने वाले नकाबपोश दो बदमाशों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 23 मार्च को ऋषिनगर हिरणमगरी सेक्टर तीन निवासी चतरसिंह ने हिरणमगरी पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि सवेरे फाटक की आवाज सूनकर पत्नी ने बाहर आकर देखा तो नकाबपोश बाइक सवार दो बदमाश खड़े थे, जिनके कहने पर पत्नी के बुलावे पर मैं भी बाहर गया। इसी दौरान मुझ पर पिस्टल से फायर किया। निशाना चूकने से मेरी जान बच गई। चिल्लाने पर हमलावर फरार हो गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगनपुरोहित के सुपरविजन में हिरणमगरी थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में गठित दल ने तकनीकी अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर फायरिंग का खुलासा करते हुए सुभाष लौहार पुत्र मदनलाल निवासी डांगियों की पंचोली हॉल वैशाली नगर प्रतापनगर व रघुवीरसिंह उर्फ विशाल पुत्र शंभूसिह निवासी मटुन हिरणमगरी को सूरत मुम्बई हाइवे से डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। फायरिंग करने वाले मुख्य षड़यंत्रकर्ता दलपतसिंह की तलाश की जा रही है।

कुछ दिन पूर्व चतरसिंह एवं दलपतसिंह व उसके साथियों ने जमीन का सौदा किया था। विवाद होने पर जमीन मालिक को रूपये वापस करने थे। चतरसिंह व साथी तैयार हो गए लेकिन दलपतसिंह ने इंकार कर दिया। चतरसिंह ने लगातार रूपये चुकाने के लिए कहना जारी रखा। इस पर दलपतसिंह ने अपने भांजे रघुवीरसिंह साथी सुषाभ लौहार के जरिये वारदात को अंजाम दिया। जिसके भय से चतरसिंह रूपये मांगना छोड़ दे। आरोपी सुभाष के खिलाफ पूर्व में दो अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

सहायक और कनिष्ठ वाणिज्यिक कर अधिकारी एक लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

■ फर्म की रिटर्नस नहीं भरने पर फर्म को डिफाल्टर नहीं करने की एवज में रिश्वत मांगी थी

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की चूरू टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए वाणिज्यिक कर अधिकारी वृत रतनगढ़ जिला चूरू के सहायक वाणिज्यिक कर अधिकारी (एसीटीओ) महेश कुमार व कनिष्ठ वाणिज्यिक कर अधिकारी (आईसीटीओ) नरेन्द्र सिंह एक लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत परिवादी की फर्म के रीटर्न्स नहीं भरने पर फर्म को डीफाल्टर नही करने की एवज में मांगी थी। फिलहाल एसीबी की टीमे आरोपितों के ठिकानों सर्च कर रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी टीम चूरू को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके द्वारा फर्म के रीटर्न्स नहीं भरने पर फर्म को डीफाल्टर नहीं करने के लिए परिवादी व उसके सीए के समक्ष वाणिज्यिक कर अधिकारी वृत रतनगढ़ जिला चूरू के सहायक वाणिज्यिक कर अधिकारी (एसीटीओ) महेश कुमार व कनिष्ठ वाणिज्यिक कर अधिकारी (आईसीटीओ) नरेन्द्र सिंह दो लाख रूपये रिश्वत की मांग कर रहे है, जिस पर एसीबी चूरू के पुलिस उप अधीक्षक पुलिस शब्बीर खान के नेतृत्व में ट्रैप का आयोजन कर दोनों आरोपियों को एक लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर रिश्वत राशि बरामद की गई।

एसीबी की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव सीए के मार्फत एसीटीओ महेश कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में एक लाख रुपये रिश्वत के प्राप्त कर अपने कार्यालय में पास की सीट पर बैठे आईसीटीओ नरेन्द्र सिंह को दिये, जिसने उक्त रिश्वत मिनी कैरी बैग में डालकर अपनी पेन्ट में रख लिये। रिश्वत के एक लाख रुपये नरेन्द्र सिंह से बरामद की गई।

दो महिला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। वाघपुरा थाना पुलिस ने दुकान में घुस कर जेवरात चोरी करने वाली दो महिलाओं को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी किए जेवरात बरामद किए। पीड़ित अमित कुमार जैनने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 7 जनवरी को मैं दुकान सागवाड़ा पाल में स्थित है बंद कर खेरवाड़ा चला गया। रात में अज्ञात चोर दुकान में घुस कर 12 किलो चांदी के जेवरात व 120-150 ग्राम सोने के जेवरात व करीब तीस हजार रूपये चुरा ले गए। मामले में शारदा देवी पत्नी शिवनाथ रावल तथा सेजन देवी पत्नी हकसी दामा को गिरफ्तार किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच. PHED Campus सॉचौर (जालोर)
Te.Pho.No. 02979-283624 E-mail: eephedscr@gmail.com
क्रमाक-.अ.अ./जन स्वा./सॉ/निविदा/2024-25/1875 दिनांक-20.03.2025

ई-निविदा सूचना संख्या-30/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार है-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा.अभि.विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual Rate Contract For Transportation of Water (Sanchore And Chitalwana)
निविदा की कुल लागत (राशि लाखों में)	कुल निविदा 17 रू. 250.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	20.03.2025 से 02.04.2025 को 13.00 बजे तक
निविदाएं खोलने की तिथि व समय UNB NO.	03.04.2025 को 11.00 बजे से PHE2425WSRC11905, PHE2425WSRC11906, PHE2425WSRC11907, PHE2425WSRC11908, PHE2425WSRC11909, PHE2425WSRC11910, PHE2425WSRC11911, PHE2425WSRC11912, PHE2425WSRC11913, PHE2425WSRC11915, PHE2425WSRC11916, PHE2425WSRC11917, PHE2425WSRC11918, PHE2425WSRC11919, PHE2425WSRC11921, PHE2425WSRC11923, PHE2425WSRC11924

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेंगे।

(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,खण्ड सॉचौर
DIPR/C/4385/2025

कार्यालय नगरपालिका उनियारा (टोंक) राज.
Office of the Municipal Board, Uniara (Tonk) Rajasthan
Tel.- (01436) 294015 E-mail : npuniyarai@gmail.com
क्रमांक/न.पा.उ./ निविदा/2023-24/5369 दिनांक : 21.03.2025

ई- निविदा सूचना 2024

नगरपालिका उनियारा (टोंक) द्वारा नगर निकाय उनियारा एवं स्वायत्त शासन विभाग के समुचित वर्ग के सूचीबद्ध ठेकेदारों/संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनो में सक्षम क्षेणी के संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म एवं निविदा से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB NO- DLB2425A6883
अध्यक्ष नगरपालिका उनियारा (टोंक) — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका उनियारा (टोंक)
राज.संवाद/सी/24/14160

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, कि0रेनवाल, जिला जयपुर (राज.)
क्रमांक/न.पा.कि.रे/24-25/स्टोर/3961 दिनांक 27.03.2025

-: ऑनलाईन निविदा सूचना 09/2024-2025 :-

नगर पालिका कार्यालय कि0रेनवाल द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 दर संविदा के माध्यम से कार्य करवाये जाने है। जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंन्ट प्रकिया द्वारा निम्नांकित कार्यो हेतु ई-निविदा आंमत्रित की जाती हैं। निर्धारित निविदा प्रपत्र में दिनांक 15.04.2025 तक निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है तथा अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।
UBN No. DLB2425SLRC22740, DLB2425SLRC22741, DLB2425SLRC22742, DLB2425SLRC22743
राज.संवाद/सी/24/14115 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)
पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर
टेलीफैक्स : 0141 — 2201489, इमेलः zcejz@jvvnl.org

ई- निविदा सूचना

ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के टोंक सर्किल के सहायक अभियंता A-I टोंक अधिकार क्षेत्र में 33/11 केवी सबस्टेशन सोनवा मोड़ का निर्माण कार्य और 33 केवी लाइन व 11 केवी इंटरकनेक्शन का कार्य टीएन-107 के अंतर्गत एआरसी पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई - प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 03.04.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई- पोर्टल पर दिनांक 15.04.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है। UBN: VVN2425WSOB01376
जेपीआर-2981(2025)
संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)
राज.संवाद/सी/24/14191 बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

राजस्थान सरकार
कार्यालय परियोजना प्रबंधक एवं अधीक्षण अभियंता, वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, केकडी
ई-मेल आई.डी.- sewedckekri@gmail, sewdse.kekri@rajasthan.gov.in
क्रमांक-801 दिनांक-27.03.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 23,24,25/2024-25/केकड़ी, सरवाड़, भिनाय
(NIB Code: WSC2425A0708 से WSC2425A710)

राजस्थान राज्यपाल महोदय की ओर से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत जिले की विभिन्न पंचायत समिति क्षेत्रों में कुल 3 पेकेज में वर्णित कार्यो का डिफेक्ट लाईबिलीटी अवधि सहित रू. 87.81 लाख रू. 67.05 लाख एवं रू. 106.90 लाख सम्पादन कराने के लिये उपयुक्त श्रेणी के राजस्थान/केन्द्र सरकार के विभागों/अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों से https://eproc.rajasthan.gov.in पर ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन ई-निविदाऐं दिनांक 27.03.2025 से 05.04.2025 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण एवं शर्ते उक्त पोर्टल एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर UBN: WSC2425WSOB01453 से WSC2425WSOB01455 तक देखी जा सकती है।
परियोजना प्रबंधक एवं अधीक्षण अभियंता, वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, केकड़ी
DIPR/C/4514/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच.68 PHED Campus सॉचौर (जालोर)
Te.Pho.No. 02979-283624 E-mail: eephedscr@gmail.com
क्रमाक-.अ.अ./जन स्वा./सॉ/निविदा/2024-25/1911 दिनांक-25.03.2025

ई-निविदा सूचना संख्या-31/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग मे पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार है-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा.अभि.विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual Rate Contract of Regular Mainitenance of Various Tubewell with Stater etc. of Various water supply schemes in Sub Division I, II, III Sanchore.
निविदा की कुल लागत (राशि लाखों में)	कुल निविदा 03 रू. 45.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	25.03.2025 से 07.04.2025 को 13.00 बजे तक
निविदाएं खोलने की तिथि व समय	08.04.2025 को 11.00 बजे से
UNB NO.	PHE2425WSRC12190, PHE2425WSRC12191, PHE2425WSRC12192

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेंगे।
(पृथ्वीसिंह) अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर
DIPR/C/4432/2025

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
स्वास्थ्य भवन, त्यागी वाटिका, जेल वैल, बीकानेर
फोन 0151-2201142 email: eemhbikaner@ymail.com
क्रमांक-EE/M&H/BKN/2024-25/4492 दिनांक-20.03.2025

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या-42/2024-25

निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर एवं श्रीगंगानगर में कुल रू. 755.00 लाख के 14 स्वास्थ्य केन्द्रों के कार्यों हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष उपर्युक्त सिविल श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे/एमईएस इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त सिविल श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
UBN: 1. NRH2425WSOB02589, 2. NRH2425WSOB02590, 3. NRH2425WSOB02591, 4.NRH2425WSOB02592, 5. NRH2425WSOB02593, 6. NRH2425WSOB02594, 7. NRH2425WSOB02595, 8. NRH2425WSOB02596, 9. NRH2425WSOB02597, 10. NRH2425WSOB02598, 11. NRH2425WSOB02604, 12. NRH2425WSOB02605, 13. NRH2425WSOB02606, 14. NRH2425WSOB02607
(राजेश कुमार सोलंकी)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
DIPR/C/4306/2025

सट्टा लगाते तीन गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के घंटाघर थाना पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले तीन सटोरियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से मोबाइल जब्त किए।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह रत्नू, घंटाघर थाना एसआई औकारसिंह के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर शुक्रवार रात में माणिक्यलाल वर्मा पार्क दूधतलाई पहुंचे। जहां पर हिमांशु पुत्र मदनलाल निवासी कोल पोल बड़ा बाजार, मुकुल पुत्र श्यामलाल निवासी शक्तिनगर भुपालपुरा, जय पुत्र भूपेन्द्र निवासी मठ्ठा स्ट्रीट श्रीनाथजी के मंदिर केपास सूरजपोल को अपने अपने मोबाइल से सट्टा खेलाते हुए गिरफ्तार किया।

जमीन विवाद में दो पक्षों के लोग भिड़े, परस्पर मुकदमे दर्ज

बीकानेर, (निसं)। रानीबाजार के बागीनाड़ा इलाके में दो पक्षों के लोगों में जमीन विवाद को लेकर जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों के लोगों को चोटें लगी जिनमें महिला-बच्चे भी शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार बागीनाड़ा इलाके में गहलोत क्वार्टर हैं। यहां रहने वाले दो पक्षों के लोगों में जमीन विवाद चल रहा है। दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने हो गए और जमकर मारपीट की। मारपीट में महिला-बच्चों सहित आठ-दस लोग चोटिल हो गए जिन्हें पीबीएम अस्पताल ले जाया गया। इत्तला मिलने पर कोटगेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसएचओ विश्वजीतसिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दी गई है जिन पर परस्पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं। एक पक्ष के किशन गहलोत की ओर से दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि वह अपने भाई विष्णु गहलोत सहित बागीनाड़ा स्थित क्वार्टर में रहता है। पड़ोसी हनुमान गहलोत पूर्वजों की जमीन पर अवैध निर्माण कर रहा था जिस पर स्टे है। बीडीए से गाड़ी आई और निर्माण रुकवा दिया। गाड़ी वापस जाते ही निर्माण शुरू किया जिसका विरोध करने पर जानलेवा हमला कर दिया। हनुमान गहलोत, विजय गहलोत, शांतिलाल, मोहित सोलंकी, वेदप्रकाश, मानवेन्द्र सोलंकी, नेमीचंद, गिरधारी, पंकज सांखला, सिमरन, लक्ष्मी, शांति व बादू देवी व 10-15 अन्य ने ईंट, पत्थर, लाठी, सरियों से हमला कर दिया। दूसरे पक्ष के गहलोत क्वार्टर निवासी हनुमान गहलोत की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि पड़ोसी भंवरलाल, मोतीलाल, पूनम, विष्णु, किशन, गोरधन, दीपक, श्यामलाल, मनीष, ब्रह्मदेव, राजू, मनीष, मयंक, देवांशु, युवराज, गुड़िया, हेना, रेखा, गुगु, ज्योति, किशन का साढू अशोक, ब्रजी देवी व अन्य ने मिलकर अभद्र व्यवहार किया। आंखों में मिर्च डाली और ईंट-पत्थरों से मारपीट की। मुकदमों की जांच एएसआई जिलेसिंह को सौंपी गई है। गौरतलब है कि दोनों पक्षों में पूर्व में भी मुकदमे हो चुके हैं।

BHARATPUR DEVELOPMENT AUTHORITY
S. No. :- Tech/BDA/2024-25/2768 Date :- 20/03/2025

Expression of Interest For Preparation of GIS Based Master Development Plan-2041 For Notified Area of Bharatpur Development Authority

Name of work :- Preparation Of GIS Based Master Development Plan-2041 for notified area of Bharatpur Development Authority Bharatpur.

Type of Contract	Lum Sum Amount type contract
Place of information regarding bid document and opening of bids	Bharatpur Development Authority (BDA)\ Bharatpur (Raj.) Pin 321001, Phone no. 05644-230688/9413399626 Email :- **uitbharatpur@gmail.com**
Price of Bid document and E-Bid processing fee	The tender fee is Rs. 2000.00 (Rupees Two Thousand only and processing fee is Rs. 2000 (Rupees Two Thousand only) has to be paid though only on Urban Service Portal on website **www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur** Executive Engineer, Bharatpur Development Authority (BDA), Bharatpur.
Bid Security (Earnest Money)	Rs. @ 2% of contract amount for bidders by online on Urban Service portal or by Bank Guarantee in favour of commissioner BDA, Bharatpur
Period of online Sale of eporc portal	From 10 am on 24.03.2025 to 6 pm 15.04.2025
Last Date and Time of online submission	Up to 12 Noon on 15.04.2025
Last Date and Time of submitting Hard Copy of Tender Fee, RISL Fee and Earnest Money undertaking	Up to2 PM on 15.04.2025
Online Opening of Technical Bid	From 4 PM on 15.04.2025
Presentation Date	From 5 PM on 22.04.2025 at office of BDA Bharatpur
Queries related to EOI can be mailed at email id – uitbharatpur@gmail.com	Queries can be mailed at emai id- uitbharatpur@gmail.com up to 05.00PM 08.04.2025
Estimated Cost of Consultancy Work	Rs 300.00 Lac
Online Opening of Financial BID	Will be informed later after Technical Evaluation
Completion Period	12 Months
Pre Bid Meeting	Online 04-04-2025

Raj.Samwad/C/24/14154
Executive Engineer
BDA, Bharatpur

जमीन विवाद में चाचा की हत्या के मामले में दो भतीजों को उम्रकैद

■ तीन महिला आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी किया

■ अभियोजन पक्ष ने 20 गवाह और 73 दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए

अनूपगढ़, (निसं)। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय संख्या-02 के एडीजे विपिन बिश्नोई ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए जमीनी विवाद में चाचा की हत्या के मामले में दो भतीजों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने जगजीत सिंह और मनजीत सिंह उर्फ मंगल सिंह को दोषी ठहराया और उन पर विभिन्न धाराओं के तहत आर्थिक दंड भी लगाया। वहीं, तीन महिला आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। यह घटना 27 अप्रैल 2019 की है।

अपर लोक अभियोजक एडवोकेट तिलक राज चुघ के अनुसार, चक 12-पी में जरनैल सिंह, उनके भाई गुरनाम सिंह और ताया रूप सिंह के नाम 8-8 बीघा जमीन थी। वे 28 वर्षों से इस जमीन पर काबिज थे। मृतक जरनैल सिंह के भतीजे मनजीत सिंह और जगजीत सिंह भी उसी इलाके में रहते थे और इस जमीन व ढाणी पर कब्जा करना चाहते थे। उन्होंने 20 साल पहले अपने हिस्से की जमीन पर मकान बनाया था, जिसे लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। घटना के दिन सुबह करीब 10 बजे जरनैल सिंह को तूड़ी वाले कमरे से आवाजें आईं। जब उन्होंने बाहर आकर देखा तो जगजीत सिंह के हाथ में तेज धारदार कापा और मनजीत सिंह के हाथ में कसिया था। वहीं, सुंदरा बाई, सुखा बाई और मनजीत सिंह की पत्नी परविंद्र कौर के हाथों में लोहे की रॉड और लाठियां थीं। ये सभी जरनैल सिंह के तूड़ी वाले कमरे का ताला तोड़ रहे थे। जब जरनैल सिंह ने उन्हें रोका तो मनजीत सिंह ने कसिया और जगजीत सिंह ने कापा से हमला कर दिया। तीनों महिलाओं ने भी लोहे की रॉड और लाठियों से हमला किया। शोर सुनकर जरनैल सिंह की पत्नी जसविंद्र कौर मौके पर आईं, तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर जमीन पर पटक दिया। जब शिकायतकर्ता मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने जरनैल सिंह और जसविंद्र कौर को जमीन पर गिराकर पिटते हुए देखा।

गंभीर चोटों के कारण जरनैल सिंह और जसविंद्र कौर अधमरे हो गए तो आरोपी उन्हें मृत समझकर फरार हो गए। इसके बाद 108 एंबुलेंस से दोनों को अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जरनैल सिंह की हालत गंभीर बताई और श्रीगंगानगर रेफर कर दिया। वहां भी हालत बिगड़ती देख उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया, लेकिन इलाज के दौरान शाम 4:30 बजे उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। अभियोजन पक्ष ने 20 गवाह और 73 दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने जगजीत सिंह और मनजीत सिंह उर्फ मंगल सिंह को आजीवन कारावास और आर्थिक दंड की सजा सुनाई। अगर दोषी अर्थदंड का भुगतान नहीं करते, तो उन्हें अतिरिक्त कारावास भी भुगतना होगा। अदालत ने सुंदरा बाई, सुखा देवी और कर्मजीत कौर उर्फ परविंद्र कौर को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया।

परीक्षा नौ को

अजमेर, (कासं)। रा. मा. शिक्षा बोर्ड की ओर से 12वीं कक्षा वाणिज्य वर्ग की निरस्त की गई व्यवसाय अध्ययन विषय की परीक्षा बुधवार 9 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा वाणिज्य वर्ग में 22 मार्च को हुई व्यवसाय अध्ययन की परीक्षा को निरस्त किया गया था। बोर्ड प्रशासन 12वीं वाणिज्य वर्ग की व्यवसाय अध्ययन की परीक्षा दोबारा कराएगा।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED
PROJECT DIVISION KARAULI HQ TODABHIM
E-Mail-eeproj.kar.phed@rajasthan.gov.in
3955-63 24/03/2025

NIT No. 120-121/2024-25

Online tenders are invited on behalf of the Governor of Rajasthan for the following works from contractors enlisted in suitable Class with the PHED Rajasthan and meeting eligibility criteria, Contractors enlisted with other Departments of Government of Rajasthan and enlisted with CPWD postal, Telecom, Railways, MES state Govt/Central Govt. Undertaking/Organizations equivalent of Rajasthan meeting eligibility criteria may apply after giving prescribed Earnest Money. NIT can be seen at www.dipronline.org/http//SPPP.rajasthan gov in and Tender documents can be downloaded from the web site http://eproc.raisthan.gov.in Details of the tender notification and criteria can also be seen in NIT.
NIB code PHE2425A5541

NIT No.	Name of Work	Estt. Cost Rs. In Lacs	Tender Fee Rs	Processing Fee Rs	EMD Rs in Rs (2%)	Last Date of Bld Submission end & Time	Bld Opening date & time	Compl-etion Period
120/ 2024-25	Rate Contract of Drilling of 125mm (MS Pipe) Nominal diameter bore hole for Hand Pumps and installation of India Mark-II Hand Pump in Combination Strata complete with material & labour charges in Sub Division Todabhim (Urban/Rural). **UBN is PHE2425WSRC12148**	60.00	1000	1000	120000	4.4.2025 at 6.00 PM	7.4.2025 at 11.00 AM	12 month
121/ 2024-25	Rate Contract of Drilling of 125mm (MS Pipe) Nominal diameter bore hole for Hand Pumps and installation of india Mark-II Hand Pump in Combination Strata complete with material & labour charges in Sub Division Nadoti (Rural). **UBN is PHE2425WSRC12147**	60.00	1000	1000	120000	4.4.2025 at 6.00 PM	7.4.2025 at 11.00 AM	12 month

Cost of Tender Documents shall be paid in The Processing fee of Rs. 500/-, Tender fee Rs. 500/-,Earnest Money as per tender shall be paid or deposited online through single challan for e-procurement after making of profile on e-grass by bidders.
Term and Conditions:- Bidders who to participate in bidding will have to procure digital certificate as per IT Act 2000 to sign their electronic bids. Tenders are to be procured and to be submitted only in electronic format on website http.//eproc.rajasthan.gov.in 1. The Processing fee of Rs. 1000/-, Tender fee Rs. 1000/-, Earnest Money as per tender shall be paid or deposited online through single challan for e-procurement after making of profile on e-grass by bidders.
2. Tender fee, Earnest money and RISI. fee shall be deposited in favor of EE PHED PROJECT DIV.KARAULI H? TODABHIM (DDO Code-23532) as in following heads.
a. Budget Head for tender fee: - 0075-00-800-52-01
b. Budget Head for RISL fee: 8658-00-102-16-02
c. Earnest Money:- 8443-00-108-00-00
3. If holiday is declared on submission & opening date of tender the scheduled activity will take place on next working day.
Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Division Karaull HQ Todabhim
DIPR/C/4382/2025

बीकानेर कोर्ट परिसर में वकील और पुलिसकर्मी भिड़े

■ पार्किंग को लेकर हुई मारपीट, हेड कॉन्स्टेबल को सस्पेंड करने की मांग पर अड़े

बीकानेर, (निसं)। कोर्ट परिसर में वकील और पुलिसकर्मी आमने-सामने हो गए। पार्किंग को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर मारपीट करने तक का आरोप लगा रहे है। घटना शुक्रवार दोपहर तीन बजे की है। इस घटना के बाद वकीलों ने नारेबाजी शुरू कर दी। मामला बढ़ता देख पुलिस अधिकारी कोर्ट पहुंचे और दोनों पक्षों के बीच समझाइश शुरू की।

बताया जा रहा है कि पूरा विवाद पार्किंग को लेकर हुआ है। एक वकील अपनी गाड़ी पार्क कर रहा था। इस दौरान वहां खड़े पुलिसकर्मी ने टोक दिया। इससे नाराज होकर दोनों के बीच बोलचाल हो गई। बात इतनी बिगड़ी कि मारपीट शुरू हो गई। बाद में बड़ी संख्या में वकीलों के मौके पर पहुंचने से विवाद बढ़ गया। पुलिसकर्मी को लेकर पार्किंग में गए। एक हेड कॉन्स्टेबल के व्यवहार से वकीलों में काफी नाराजगी दिखाई दी। दोनों पक्ष एक दूसरे पर मारपीट का आरोप लगा रहे हैं। इधर, वकीलों से पुलिस अधिकारियों की ओर से समझाइश की गई, लेकिन वकीलों की मांग है कि हेड कॉन्स्टेबल को निलंबित किया जाए और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

सार-समाचार

जसोल में रोजा इफ्तार पार्टी हुई

बालोतरा, (निसं)। स्थानीय जमा मस्जिद जसोल में गुरुवार को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जसोल ग्रामवासियों द्वारा रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गंगा -जमुनी तहजीब देखने की मिली। बालोतरा पंचायत समिति प्रधान भगवत सिंह जसोल , ग्राम पंचायत जसोल प्रशासक ईश्वर सिंह चौहान , पूर्व सरपंच भंवरलाल भन्साली व ग्रामवासी जमा मस्जिद पहुँचे। जहां रोजेदारों को फल खिलाकर व ज्यूस रोजे खुलवाए। इस वर्ष ग्रामवासियों की ओर से जमा मस्जिद जसोल के मौलाना शौकत अली अकबरी का साफा व माला पहना कर स्वागत किया। प्रधान भगवत सिंह जसोल ने कहा कि जसोल कस्बा साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल है। रमजान का महीना रहमतों व बरकतों से भरा होता है। सरपंच ईश्वर सिंह चौहान ने कहा कि कई वर्षो से लगातार मुझे मुस्लिम समाज के भाईयो को रोजा खुलवाने अवसर मिल रहा है।। देश में अमन व चैन कायम हो। रोजा रखना सिर्फ भूखे प्यासे रहने का नहीं बल्कि आत्मा को शुद्ध करने और नेकी के रास्ते पर चलने की इबादत है। इस अवसर पर वार्ड पंच याकूब खान, राजेन्द्र बाघमार, हरचन्द सोलंकी, पुखराज प्रजापत, पीरु खाँ, हाजी अल्लाहबक्श खां, मनोहर जोगसन, छगनलाल प्रजापत,अकरम पठान, खीमाराम मेघवाल,गोरखाराम प्रजापत,आदम खान, राकेश सैन, हनुमान सिंह चौहान, डायाराम मेघवाल, वि म सिंह राठौड,माणक गहलोत, ओमप्रकाश प्रजापत , हेमसिंह दहिया, फकरुदीन, सिकंदर खान, मोहम्मद सफी, शाहनवाज खान, इंसाफ अली आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सफरु खान जसोल ने किया।

पाली में 6 गैस सिलेंडर, 1 भट्टी जब्त

पाली, (नि.स.)। पाली में रसद विभाग ने कार्रवाई करते हुए घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग पकड़ा। टीम ने 6 गैस सिलेंडर और एक भट्टी जब्त की।पाली रसद विभाग के प्रवर्तन अधिकारी कमल कुमार पंवार ने बताया कि घरेलू सिलेंडर के व्यवसायिक दुरुपयोग किए जाने की जानकारी मिलने पर टीम ने गुरुवार को महावीर फूड पॉइंट से 4 घरेलू सिलेंडर, 1 भट्टी जब्त की। साथ ही नवेद यम फास्ट ब्रेक वीर दुर्गादास नगर से 2 घरेलू सिलेंडर जब्त करने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान भारत कुमार प्रवर्तन निरीक्षक भी शामिल रहे। उन्होंने बताया कि दोषियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कार्रवाई की जाएगी। बता दे कि रसद विभाग पाली की ओर पिछले कुछ दिनों से शहर में लगातार कार्रवाई की जा रही है। दो दिन पहले सोजत सिटी थाना क्षेत्र में अवैध रूप से स्टोर किया गया पेट्रोल-डीजल जब्ती कार्रवाई की गई। घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग रोकने के लिए भी विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है

198925 किसानों ने करवाया पंजीकरण

जालोर, (कासं)। एग्रीस्टैक योजना के तहत किसानों को सशक्त करने के उद्देश्य से जालोर जिले में ग्राम पंचायतवार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 198925 किसान अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेश मेवाड़ा ने बताया कि एग्रीस्टैक योजना के तहत आहोर तहसील में 29 मार्च को भंवरानी, बादनवाड़ी, सामुजा, वेडिया, देच्छू, देबावास, ओडवाड़ा, पावटा, सेदरिया बालोतान, थांवला व अगवरी, जालोर तहसील में 29 मार्च तक आकोली, बाकरा, उम्मेदाबाद व बिशनगढ एवं 29 से 31 मार्च तक पंचायत समिति जालोर, सांचौर तहसील में 29 मार्च को सांकड़, हाडेतर, हरियाली, नैनोल, जैलातरा, पालड़ी सोलंकियान, पांचला, प्रतापपुरा, किलवा व बिजरोल खेड़ा, 29 से 31 मार्च तक सांचौर तथा रानीवाड़ा तहसील में 29 व 30 मार्च तक जोड़वास, कोटड़ा, डूंगरी, भाटीप, चितरोड़ी, सुरजवाड़ा, वणधर, तावीदर, बड़गांव, आजोदर व रानीवाड़ा कलां में शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं। वर्तमान में शिविरों में निःशुल्क पंजीकरण की सुविधा किसानों को प्राप्त हो रही हैं। शिविरों में पंजीयन नहीं करवाने फर बाद में सशुल्क पंजीकरण करवाना होगा।

अतिक्रमण हटाकर रास्ता खुलवाया

गुड़ामालानी, (नि.सं.)। गुड़ामालानी मुख्यालय के अहिंसा सर्किल से जालोर जाने वाले मुख्य सडक मार्ग पर ग्राम पंचायत की दुकानों के पास दो दिन पुर्व रात्रि को पत्थर की पट्टीया लगाकर अतिक्रमण कर लिया। सुचना व शिकायत पर पुलिस ओर प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जा हटाते हुए रास्ता खुलवाया। ग्राम पंचायत की दुकानों के पास अतिक्रमण होने की सुचना एवं परिवादी नरपतसिंह की शिकायत पर तहसीलदार गिरीराज शर्मा, पटवारी व थानाप्रभारी देवीचंद ढाका एव पुलिस जाब्ता मय टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी से लगी अवैध पत्थर की पटिया, गेट आदि अवैध कब्जा व पुर्ण अतिक्रमण हटाते हुए 19 फीट का बंद आम रास्ता खुलवाया। रास्ता खुलने पर पीछे रहने वाले रहवासियों को बडी राहत मिलने पर उन्होंने प्रशासन का आभार जताया। वहीं शुक्रवार को पुलिस प्रशासन ने मौका मुआयना करते हुए अतिक्रमण नहीं करने को पांबद कर यथा स्थिती रखने को लेकर हिदायत दी।

रमजान के आखिरी जुम्मा की नमाज हुई

रेवदर, (निसं)। उपखंड के मंडार,बासन, अनादरा, रेवदर की मस्जिदों में आज रमजान माह के आखरी जुम्मे की मोमीनो ने नमाज अदा की। कस्बा स्थित मस्जिद में भी बडी तादाद में नमाजी पहुंचे। मौलाना जावेद अनवर ने नमाज से पूर्व तकरीर करते हुए अलविदा रमजान पर तफसील से बया नम आंखों से इस तरह बयान किया कि जब कोई खास दोस्त, भाई साल भर के लिए जुदा हो तो हम कैसे दुखी मन से उसे विदा करते है। वैसे ही आज रमजान जा रहा है अगले साल किसके नसीब में आयेगा किसके नही ये सिर्फ रब जानता है। जिसने रोजे रखे,नमाज पढी, गुनाहों से तौबा की , गरीबों का ख्याल रखा उनकी मदद की, भूखे को खाना खिलाए, ऐसे इंसान को रब पसन्द करता है। जामा मस्जिद अनादरा के मौलाना सिकंदर खान साहब ने बताया कि ईद की नमाज साढे आठ बजे होगी।

कार्मिकों ने ली शपथ

बालोतरा, (निसं)। जिला कलक्टर कार्यालय में राजस्थान दिवस के उपलक्ष पर समस्त कार्मिकों के द्वारा राजस्व अपील अधिकारी, बाडमेर नवदीप कुमार एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. गुंजन शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान की महान परपंराओं का सम्मान एवं निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर समस्त कार्मिकों के द्वारा राज्य के विकास एवं खुशहाली में सक्रिय भागीदार निभाने, राजस्थान को समृद्ध, स्वच्छ, स्वस्थ, हरित और आत्मनिर्भर प्रदेश बनाने, महिलाओं, युवाओं, किसानों, श्रमिकों और वंचित वर्गो के सम्मान, अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए कार्य करने के साथ विरासत भी और विकास भी की भावना को ध्यान में रखते हुए राज्य के विकास में निरंतर योगदान की शपथ ली गई।

सारस्वत को सदस्य बनाने से खुशी

धोरीमन्ना, (नि.सं.)। क्षेत्र में राजस्थान ब्राह्मण महासभा धोरीमन्ना शाखा ने सारस्वत समाज के राज्य उपभोक्ता आयोग परीक्षा परिणाम में रामनिवास सारस्वत परिक्षा में टॉपर रहने पर व राज्य उपभोक्ता आयोग जयपुर में सदस्य नियुक्त होने पर ब्राह्मण समाज ने खुशी जताई एवं एक दुसरे का मुंह मीठा करवाकर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राजस्थान ब्राह्मण महासभा धोरीमन्ना अध्यक्ष राणाराम राजपुरोहित, ज्वाला प्रसाद सारस्वत, धनराज सिडोलिया, बाबूलाल तेतरवाल, जयकिशन भादू, जगदीश प्रसाद सोनी, सहित कई लोगों ने खुशी जताई, एवं बधाई दी।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.04.2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

बाडमेर, बाडमेर, 13804070003691, जोधपुर, महा मंदिर सर्कल, 12301070037817, फलौदी शाखा राजस्थान, 13561070016068, सरस्वती नगर जोधपुर, 12432070036609, 6628, 6697, 124320730031897, पाली, मानड्या रोड, 115370730025016, सूरजपोल पाली, 11541070028055, 8091, 115410730023193,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

सुशासन एवं ई-गवर्नेंस राज्य सरकार की प्राथमिकता : गर्ग

जालोर, (कासं)। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में साप्ताहिक महोत्सव के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को भीलवाड़ा से राज्य स्तरीय विकास एवं सुशासन उत्सव में विभिन्न जिलों के लाभार्थियों से वर्चुअल जुड़े। जिला स्तरीय सुशासन समारोह जालोर क्लब में शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपणो अग्रणी राजस्थान के सपने को साकार करने के लिए राज्य सरकार ने सुशासन के जरिये प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान की है। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं के दिशा-निर्देश जारी करने के साथ ही 10 हजार करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। आयोजन में शर्मा द्वारा डेलीगेशन के आदेश, फायर एनओसी प्राप्त करने की प्रक्रिया के सरलीकरण के आदेश, नए जिलों में डीएमएफटी के गठन के आदेश, राजस्थान सर्कुलर इकॉनॉमी इन्सेन्टिव स्कीम के दिशा-निर्देश, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शहरी विकास योजना के दिशा-निर्देश, हरित अरावली विकास परियोजना एवं अन्नपूर्णा भण्डार के दिशा-निर्देश जारी करने के साथ ही प्रत्येक जिले की पंचगौरव बुकलेट भी जारी की। विशेष रूप से मुख्यमंत्री शर्मा पत्रकारों की हेल्थ कवरेज योजना (आरजेएचएस) का शुभारम्भ भी किया। मुख्यमंत्री द्वारा सब रजिस्ट्रार कार्यालय का समय सप्ताह में 2 दिन सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक करने के दिशा-निर्देश जारी करने के साथ ही राजस्थान सम्पर्क 2.0 पोर्टल का शुभारम्भ एवं चिकित्सा ऐप भी लॉन्च किया तथा ई-गवर्नेंस अवार्ड भी प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद भी किया।

जालोर क्लब में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि सुशासन एवं ई-गवर्नेंस राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेही सरकार विकसित राजस्थान के संकल्प के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभान्वितों को बधाई देते हुए कहा कि पात्र व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाना सरकार की प्राथमिकता है। समारोह के दौरान मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप. के गावंडे व मंजू सोलंकी ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत लाभार्थियों को किस्त के चैक, मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत 100 दिन का रोजगार वाले श्रमिकों एवं स्ट्रीट वेण्डर्स को विक्रय प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन अम्बिका प्रसाद तिवारी ने किया। जिला स्तरीय समारोह में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे व मंजू सोलंकी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजौरा व नगर परिषद आयुक्त अनिता पहाड़िया द्वारा जालोर जिले की पंच गौरव पुस्तिका का विमोचन किया गया।

पुस्तिका में जालोर जिले के पंच गौरव एक जिला एक गतव्य ''सुंधा माता'', एक जिला एक उत्पाद ''ग्रेनाइट'', एक जिला एक उपज ''अनार'', एक जिला एक खेल ''बॉक्सिंग'' एवं एक जिला एक प्रजाति ''जाल वृक्ष'' के संबंध में विस्तृत जानकारी का समावेश किया गया है।

समारोह में आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सहायक निदेशक धनसिंह राजपुरोहित, नगर परिषद के अधिशासी अभियंता दिलीप माथुर, डीपीएम नरेन्द्र कुमार, डीओआईटी के संयुक्त निदेशक कपिल लुणा, डिस्कॉम के अधिशासी अभियंता नारायणलाल सुथार, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भजनलाल विश्नोई सहित विभागीय अधिकारी-कार्मिक एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

वही राजस्थान दिवस पर 30 मार्च को राजपत्रित अवकाश होने के कारण जिले के सभी राजकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थाओं में 28 मार्च को शपथ समारोह का आयोजन हुआ। राजस्थान दिवस के गौरवमयी अवसर पर शुक्रवार को सभी विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने कार्यालयों में उपस्थित अधिकारियों एवं कार्मिकों को प्रदेश के विकास, खुशहाली, आत्मनिर्भरता और समृद्धि के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई। शपथ समारोह में विभाग के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों ने उपस्थित होकर विरासत भी और विकास भी की भावना को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के विकास के प्रति निष्ठा के लिए संकल्पबद्ध रहकर काम करने की शपथ ली।

खींवसर ने प्रताप मैदान के भूमिगत पार्किंग कार्य का शिलान्यास किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय सुशासन समारोह उत्कर्ष जैन भवन में आयोजित हुआ। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला प्रभारी व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर ने शिरकत की। इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की संपूर्ण व्यवस्थाओं में जनता के प्रति जवाजवाबदेही, पारदर्शिता और सेवा-भाव से सभी को समर्पित कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना सुशासन का मूलमंत्र है।

सर्वप्रथम चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर ने 15.90 करोड़ रुपये लागत से जैसलमेर में महाराणा प्रताप मैदान के भूमिगत पार्किंग कार्य का शिलान्यास किया

जिला स्तरीय सुशासन समारोह में उन्होंने सुशासन का महत्व बताते हुए कहा कि सुशासन के जरिए जीवन में बदलाव लाने वाली अंत्योदय आधारित, पारदर्शी, संवेदनशील और गरीबोन्मुखी कार्यप्रणाली की व्यवस्था करना राज्य सरकार का मुख्य ध्येय है, जिससे आमजन भी स्वाभिमान के साथ जीवनयापन कर सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश में शिक्षा, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यावरण सहित मूलभूत सुविधाएं विकसित करना राज्य सरकार की प्राथमिकताएं हैं, जिस पर हमारी सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

जिला स्तरीय सुशासन समारोह के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर, जिला प्रमुख श्री सोलंकी एवं जिला कलक्टर प्रतापसिंह ने टीबी. मुक्त भारत अभियान के तहत संचालित निक्षय पोषण योजना के तहत सवाईराम, चौखाराम को निक्षय किट वितरित किए एवं छगनाराम, देसलाराम, तुशार एवं अजमाल खां को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र तथा मां वाउचर योजना के अन्तर्गत सायरा बानो एवं तमन्ना को मां वाउचर कार्ड प्रदान किये। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता विजय बल्लाणी ने किया।

इस मौके पर जिला प्रमुख प्रतापसिंह सोलंकी, पूर्व विधायक डॉ. जितेन्द्रसिंह, जिला कलक्टर प्रतापसिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रश्मि रानी, उपखण्ड अधिकारी सक्षम गोयल, नगरपरिषद आयुक्त लजपालसिंह सौढ़ा, सहित जिला स्तरीय अधिकारी, अन्य जनप्रतिनिधि सहित अच्छी संख्या में आमजन एवं लाभार्थी उपस्थित थे।

बजट कार्यों पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं : खींवसर

जैसलमेर , (नि.सं.)। जिला प्रभारी मंत्री व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर ने शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में विभागीय कार्यो एवं बजट घोषणाओं की प्रगति समीक्षा की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्होंने मुख्यमंत्री फ्लैगशिप योजनाओं एवं बजट घोषणाओं की विभागवार समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जमींनी स्तर पर योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिले इसके लिए परस्पर समन्वय भाव के साथ अपने दायित्वों का पूर्ण जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें।

उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारी हर संभव प्रयास करें।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्स अधिकारी डा. राजेंद्र पालीवाल से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विभाग की ओर से अब तक किये जा रहे कार्यो पर विस्तृत चर्चा की एवं संबंधित अधिकारी से जिले में संचालित पीएससी, सीएससी एवं जिला अस्पतालों में स्वीकृत एवं कार्यरत पदों की जानकारी लेते हुए चिकित्सालयों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने पर विशेष जोर दिया।

जिला कलक्टर प्रतापसिंह ने विभागीय कार्यों की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तर पर बजट घोषणाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है।

इस अवसर पर जिला प्रमुख प्रतापसिंह सोलंकी, पूर्व विधायक डॉ. जितेन्द्रसिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद रश्मि रानी, अतिरिक्त जिला कलक्टर परसाराम, उपखण्ड अधिकारी सक्षम गोयल, जन प्रतिनिधिगण सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला प्रमुख ने उठाई पानी बिजली की समस्याएं

बैठक में जिला प्रमुख प्रतापसिंह सोलंकी ने नहरी क्षेत्र की बिजली-पानी की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुवे मंत्री को अवगत कराया कि बिजली की डिमांड राशि जमा होते हुवे भी किसानों को बिजली कनेक्शन नहीं मिल रहे है तथा नहर का पानी पूरा नहीं मिल रहा है जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुक्रसान हो रहा है। साथ ही शोरऊर्जा हेतु बनजर भूमि आवंटित की सलाह के साथ विंड मिल को प्रोत्साहन देने का सुझाव दिया ताकि पशु पालकों को इसका लाभ मिल सके। मंत्री ने इसे गंभीरता से सुना व इसके समाधान का भरोसा दिलाया।

भारतीय नववर्ष का पोस्टर जारी

जालोर, (कासं)। आर्य समाज स्थापना दिवस एवं भारतीय नव वर्ष (नव संवत्सर) के पोस्टर का विमोचन शुक्रवार आर्य वीर दल राजस्थान के अध्यक्ष संचालक विनोद आर्य,आर्य वीर दल अध्यक्ष कृष्ण कुमार,आर्य समाज के प्रधान दलपत सिंह आर्य, संगठन मंत्री कांतिलाल आर्य व वुशु कोच देवेश आर्य ने पुरानी सब्जी मंडी आर्य वीरम व्यायाम शाला में किया।

आर्य वीर दल के महामंत्री शिवदत्त आर्य ने बताया कि भारतीय नव वर्ष एवं आर्य समाज स्थापना दिवस 30 मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसके तहत आर्य वीरम व्यायाम शाला में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। प्रातकाल 8 बजे से तक आर्य वीर और वीरांगनाओं द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर नागरिकों का तिलक लगाकर एवं गुड़-धाना खिलाकर स्वागत किया जाएगा। सांय 5 बजे से पंच कुंडीय यज्ञ होगा।उसके बाद आर्ष गुरुकुल महाविद्यालय देलवाडा, आबू पर्वत के अधिष्ठाता स्वामी ओमानन्द सरस्वती के सानिध्य में प्रवचन तथा गुरुकुल के ब्रह्मचर्य द्वारा भजनों का कार्यक्रम होगा।

पाली प्रभारी मंत्री खर्रा ने पंच गौरव पुस्तिका का विमोचन किया

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में राज्यस्तरीय कार्यक्रम शुक्रवार को भीलवाडा में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकास एवं सुशासन समारोह में विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों की राज्य को सौगात दी व अनेक लाभकारी घोषणायें की और कार्यक्रम को सम्बोधित किया। आज शुक्रवार को जिला परिषद में जिला स्तरीय सुशासन समारोह का प्रसारण व आयोजन किया गया। जिसमें प्रभारी एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने जिले के विकास व उत्पादों की पंचगौरव पुस्तिका का विमोचन किया और कार्यक्रम में भाग लिया। जिसमें जिले के विभिन्न विकास की संभावनाओं, कार्या व जानकारी पर प्रकाश डाला गया है। इसमें एक जिला एक उत्पाद में कपड़े की रंगाई छपाई टेक्सटाईल प्रोसेस, एक जिला एक उत्पाद मेहन्दी, एक जिला एक वनस्पति नीम का वृक्ष, एक जिला एक खेल बास्केटबाल, एक जिला एक पर्यटन स्थल रणकपुर जैन मन्दिर को शामिल किया गया है व विकास और उपलब्धियों की संभावनओं को बताया गया है जिनमें पाली जिला समृद्व बन सकता है।

राज्यस्तरीय कार्यक्रम वीसी से प्रसारित किया गया जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अनेक लोकार्पण व शिलान्यास किया, यूडीएच/एलएसजी डेलेगेशन के ऑर्डर जारी करना, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शहरी विकास योजना, प्रत्येक जिले की पंच गौरव बुकलेट जारी करना, 3317 करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास एवं 2088 करोड़ रुपये के कार्यों का लोकार्पण, सब रजिस्ट्रार ऑफिस का समय सप्ताह, पत्रकारों के हेल्थ कवरेज आरजेएचएस योजना का विमोचन, फायर एनओसी प्राप्त करने की प्रक्रिया का सरलीकरण, 10 ई-गर्वनेन्स अवार्ड, अन्नपूर्णा भण्डार के दिशा निर्देश, हरित अरावली विकास परियोजना, राजस्थान सर्कुलर इकोनॉमी इन्सेन्टिव स्कीम, नये जिलो में डीएमएफटी का गठन, राजस्थान संपर्क 2.0 परियोजना का शुभारंभ एवं चिकित्सा ऐप लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों से संवाद भी किया और सीधे ही राज्यस्तरीय कार्यक्रम में बटन दबाकर राज्य के विकास कार्या का लोकार्पण शिलान्यास किया।

जिला परिषद् में कार्यक्रम में जिला कलक्टर एलएन मंत्री, पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट, अतिरिक्त जिला कलक्टर अश्विनी सिंह पंवार, सीईओ मुकेश चौधरी, यूआईटी सचिव डॉ पूजा सक्सेना सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी, सुनील भंडारी, हेमन्त चौधरी व आमजन मौजूद रहे।

इससे पहले प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने शहर के लाखोटिया उद्यान का जायजा लिया और वहां की जानकारी लेकर समस्याओं को सुना और आवश्यक कदम उठाने के लिये कहा।

वार्षिकोत्सव हुआ

रेवदर, (निसं)। रेवदर शहर के आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक रेवदर में गुरुवार शाम विद्यालय का वार्षिकोत्सव अभ्युदय 2025 का आयोजन किया।

कार्यक्रम में सानिध्य महाराज रामेश्वर भारती सरेसी माता मंदिर सेलवाडा, मुख्य अतिथि मंजू देवसी तहसीलदार रेवदर, अध्यक्ष वीसा राम पुरोहित सुरभि प्लाईवुड रेवदर, विशिष्ट अतिथि प्रकाश अग्रवाल समाजसेवी निंबोडा, व मुख्य वक्ता भूराराम पुरोहित जिला संपर्क प्रमुख आ. शि. स. सिरोही, व जिला सचिव लकाराम के आतिथ्य में शुरू हुआ। प्रधानाचार्य प्रवीण रावल ने अतिथि परिचय व स्वागत करवाते हुए विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

कांग्रेस की बैठक आयोजित

जालोर, (कासं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी जालोर की बैठक 28 मार्च को जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल की अध्यक्षता में राजीव गांधी भवन जालोर में हुई।

बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा नगर निकाय/ पंचायतराज पुनसीमांकन/ पुनर्गठन/सीमावर्धि हेतु दावे आपत्ति दर्ज करवाने के लिये जिला स्तरीय कमेटी का गठन किया गया।

कमेटी द्वारा जिले की सभी विधानसभा क्षेत्र से दावे आपत्ति लेकर प्रशासन के समक्ष दर्ज करवाने का कार्य किया जायेगा साथ ही आवश्यकता होने पर जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर विरोध दर्ज करवाया जायेगा।

बैठक को प्रदेश महासचिव नैन सिंह राजपुरोहित, आहोर कांग्रेस प्रत्याशी सरोज चौधरी, वरिष्ठ कांग्रेसी सवाराम पटेल,जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत,संगठन महासचिव वीरेंद्र जोशी,पूर्व प्रधान पदमाराम सरगरा ने भी संबोधित किया।

बैठक में ईशराराम विश्नोई, सायला ब्लॉक अध्यक्ष सवाई सिंह चम्पावत,मांगीलाल प्रजापत, मंडल अध्यक्ष रमेश सोलंकी,लक्ष्मण सांखला, जवानाराम परिहार,मदनलाल दहिया, सोनाराम मेघवाल, खुशाल सिंह राजपुरोहित, लाल सिंह राजपुरोहित, चतराराम सुथार, अनिल पंडत, इंदु परिहार, गीताश्री,शीला चौधरी, जुबेदा नागोरी,खसराम मेघवाल, देवाराम सांखला, प्रेम सिंह मिठडी, जीवाराम परमार, सुरेश मेघवाल, बाबू बस्तीमल चौहान,तरुण सोलंकी, महेंद्र सोनगरा,मांगीलाल गर्ग, आलम खान खेतलवास,फूसाराम माली, जोगाराम सरगरा, उम्मेद सिंह चारण, वगताराम चौधरी, कमल सिंह बालावत,वाहिद मेहर,ओमप्रकाश चौधरी, शेर सिंह हरजी,कपूराराम परिहार, करणवीर मेघवाल, हरीश कुमार, इरफान खान सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

मस्जिदों में भीड़ नजर आई

जालोर, (कासं)। शहर के जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना मारूफ साहब ने बताया कि रमजान का आखिरी जुमा, जिसे जुमातुल विदा कहा जाता है, मुसलमानों के लिए बेहद खास और भावुक दिन होता है। सिलवटों मस्जिद के इमाम सलीम मुस्तफाई ने कहा कि जम्मतुल अलविदा पर मस्जिदें नमाजियों से खचाखच भरी होती हैं, और लोग तादाद में जुमा की नमाज अदा करते हैं। रमजान के रुखसत होने का एहसास लोगों को भावुक कर देता है।

जुमातुल विदा की नमाज में लोग अल्लाह से दुआएं मांगते हैं, अपने गुनाहों की माफी तलब करते हैं और दुनिया में अमन-चैन की दुआ करते हैं। इस मौके पर लोगों की आंखें छलक जाती है रमजान के मुकद्दस महीने की रुखसती का गम और अल्लाह की रहमत की तलब में उनकी आंखें नम हो जाती हैं।

जालोर शहर की प्रमुख मस्जिदों में खास तैयारियां की गई थीं। पिंजरों की मस्जिद में इमाम वकार आलम और सिलावटान मस्जिद में मौलाना सलीम मुस्तफाई ने नमाज करवाई। रमजान के दौरान रोजे व इबादत की नसीहत दी। ऊपर कोटा मस्जिद के नियाज साहब , मुस्लिम मुसाफिर खाना में गुलाम अली , ताजखाना बावडी के पेश इमाम ने जुम्मे की नमाज अता करवाई।

इस मौके पर मुस्लिम समाज की महिलाओं और बच्चों ने भी बढ-चढकर हिस्सा लिया। उन्होंने रोजा रखकर अल्लाह की बारगाह में दुआ मांगी, कुरान की तिलावत की और इबादत में समय बिताया। जम्मतुल विदा पर महिलाएं भी घरों में रोजा रखकर कुरान की तिलावत करती नजर आई।

मंडार संवाददाता के अनुसार : सिरोही जिले के मंडार कस्बे के मस्जिद ए ईरम में अलविदा जुम्मे की नमाज पेश इमाम मौलाना सिद्दीक अकबरी ने अदा करवाई। मौलाना सिद्दीक अकबरी द्वारा तकरीर पेश की गई जिसमें कहा की रमजान उल मुबारक के महीने में प्रत्येक गरीब, निर्धन, मिस्कीन तबके के लोगों का ख्याल रखना चाहिए एवं जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए । अलविदा जुमे के दौरान मौलाना सिद्दीक अकबरी द्वारा खुतबा पढा गया एवं नमाज अदा करवाई गई। नमाज के बाद सलाम पढा गया, सलाम पढने के दौरान सभी अकीदतमंदों की आंखों से आंसू छलक पड़े एवं देश में अमन, चैन व शांति के लिए दुआ की गई।

नागणेचिया माता मंदिर में होंगे कई कार्यक्रम

जोधपुर, (का.स.)। नागाणा स्थित नागणेच्चिया माताजी मंदिर व मंदिर परिसर में 2 अप्रेल को नागाणा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पूर्व महाराजा गज सिंह जी के मुख्य आतिथ्य में अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रमों में ट्रस्ट उपाध्यक्ष पूर्व महारानी हेमलता राज्ये भी शरीक होंगी।

राजपूत विश्रामगृह का होगा शिलान्यास

ट्रस्टी महामंत्री मेजर जनरल शेर सिंह ने बताया कि 2 अप्रेल को दोपहर 12:32 बजे नागाणा मंदिर परिसर में निर्मित होने जा रहे राजपूत विश्राम गृह का महाराजा गज सिंह जी द्वारा शिलान्यास किया जाएगा।

राजपुरोहित धर्मशाला का उद्घाटन

2 अप्रेल को 12.40 बजे के बाद गज सिंह द्वारा मंदिर परिसर के पास निर्मित राजपुरोहित समाज धर्मशाला का उद्घाटन किया जाएगा।

सोलर एनर्जी प्लांट का उद्घाटन

मंदिर परिसर में सोलर एनर्जी प्लांट स्थापित किया गया है इसका दोपहर 1 बजे उद्घाटन किया जाएगा।

चैत्र शुक्ल पंचमी नवरात्रा के अवसर पर माँ नागणेच्चा मंदिर में 2 अप्रेल को दोपहर 3 बजे के बाद हवन होगा जिसमें गज सिंह व हेमलता राज्ये बैठेंगे। मंदिर के मुख्य शिखर पर कलश व ध्वजा चढ़ाई जाएगी। मुख्य मंदिर में काला गोरा भेरुजी स्थापित किए जाएंगे। हवन में तारातरा मठ के महन्त व विधायक पोकरण प्रतापपुरी महाराज, विधायक भीनमाल डॉ समरजीत सिंह दासपा, रावल किशन सिंह जसोल, ब्रिगेडियर शक्ति सिंह, राजेश राठी, कार्यवाहक अध्यक्ष प्रबंधन समिति राजेंद्र सिंह थोब सहित नारायण सिंह आकड़ावास, राजेंद्र सिंह बीकानेर व बजरंग सिंह बागरा बैठेंगे। कार्यक्रम में सैनाचार्य अचला नन्द गिरी महाराज, ब्रह्मधाम आसोतरा गादीपति तुलसाराम महाराज, सिवानागढ़ गादीपति नृत्य गोपालदास महाराज व परेऊ मठ के ओंकार भारती महाराज को आमंत्रित किया गया है।

साधु-संतों का होगा बहुमान

गज सिंह द्वारा इस अवसर पर साधु-संतों का श्रीफल, शॉल, माला व फलो की टोकरी, मेवा व भेंट द्वारा बहुमान किया जाएगा। कार्यक्रम में महत्वपूर्ण सहयोग करने वाले लाभार्थियों का साफा, शॉल,माला व मां नागणेच्चया माताजी की तस्वीर भेंट कर बहुमान किया जाएगा।

व्यवस्थाओं के लिए प्रभारी बनाया

मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं के लिए प्रभारी के रूप में प्रबंधन समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष राजेंद्र सिंह थोब, डॉ ईश्वर सिंह भंवरानी, डॉ मनोहर सिंह सेतरावा, कल्याण सिंह राठौड़, धनसिंह राजादंड, अजयपाल सिंह देपालसर, महावीर सिंह कोसेलाव, वरिष्ठ प्रबंधक रणवीर सिंह राठौड़, प्रबंधक फतेह सिंह राठौड़, सहायक प्रबंधक उत्तम सिंह इंदा, भोजनशाला प्रभारी देवी सिंह भाटी, शिल्पी कैलाश सोमपुरा व चन्द्र प्रकाश सोनी देखरेख करेंगे।

राव धूहड़ जयंती व पाटोत्सव होगा

नागाणा मंदिर में चैत्र शुक्ल सप्तमी 4 अप्रेल को राव धूहड जयंती व माता जी का पाटोत्सव होगा। इस अवसर पर मारवाड़ के साधु-संतों को आमंत्रित किया गया है।

झूलेलाल जन्मोत्सव के कार्यक्रम जारी

बालोतरा, (निसं) । झूलेलाल जन्मोत्सव के तहत गुरुवार शाम को सिंधु पैलेस में खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन युवतियों और महिलाओं के लिए एक मिनट प्रतियोगिता और म्यूजिकल चेयर का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मेला मीडिया प्रभारी योगेश सोनी और प्रकाश मनवानी ने बताया कि प्रतियोगिता के दूसरे दिन एक मिनट प्रतियोगिता में कविता सोनी, पिंकी सेवकानी और राखी सुखनानी विजेता रहीं। वहीं, म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में तुलसी सोनी, लक्ष्मी सतवानी और पम्मी हासवानी ने शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज की। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में खेल मंत्री सुनील लालवाणी और सदस्य नितेश सुखनानी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पूरे आयोजन में उल्लास और उमंग का माहौल बना रहा। इस अवसर पर मेला संयोजक जैकी आहूजा, जीतू भैरानी, भरत धीरवानी, संरक्षक कौशल्या खियानी, महिला मंडल अध्यक्ष ऊषा सुखनानी, उपाध्यक्ष राखी सुखनानी, उपाध्यक्ष पप्पी फतवानी, सचिव पिंकी सेवकानी, सह सचिव किरण खियानी, संगठन मंत्री भूमिका सोनी, पार्वती सोनी, रेणु आहूजा, विधि आहूजा, कविता धीरवानी, कनक रामनानी सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

93 बच्चों को स्टेशनरी दी

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। रानीवाड़ा के समीप स्थित सिंगावास गांव के सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में बैंक ऑफ इंडिया, रानीवाड़ा शाखा ने स्टार बॉन्डिंग वर्ष 2024-25 के तहत 93 बच्चों को स्टेशनरी का वितरण किया।

कार्यक्रम के मुख्य मार्गदर्शक बैंक के जोधपुर अंचल के आंचलिक प्रबंधक अजय त्रिपाठी रहे, जिनके निर्देश पर यह आयोजन किया गया। बैंक ऑफ इंडिया, रानीवाड़ा से अधिकारी दिनेश माली और गणेशाराम ने इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और बच्चों के साथ उत्साहपूर्ण समय बिताया। स्टेशनरी वितरण के दौरान बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और उनके परिवारों की खुशी इस बात का प्रतीक बनी कि ऐसे प्रयास उनके जीवन में शिक्षा की नई रोशनी लेकर आ सकते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और बच्चों को बेहतर शैक्षिणक साधन उपलब्ध कराना है। बैंक ऑफ इंडिया ने इस आयोजन से सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाया और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देकर प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया।

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ जोधपुरा संघर्ष समिति का धरना 841वें दिन भी जारी

ग्राम जोधपुरा के शमशान घाट को लेकर ग्रामीणों ने एडीएम को ज्ञापन सौंपा

मांगों को लेकर ग्रामीणों ने एडीएम ओमप्रकाश सहारण को ज्ञापन सौंपा।

■ ग्रामीणों ने कहा कि जब तक ग्राम जोधपुरा का पुनर्वास नहीं किया जाता तब तक पूर्व में स्थित शमशानों को यथास्थिति में रखा जाये

कोटपूतली, (निसं)। जोधपुरा संघर्ष समिति द्वारा ग्राम अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना शुक्रवार को लगातार 841 वें दिन भी जारी रहा। शुक्रवार को समिति सदस्यों ने जिला कलक्टर के नाम एडीएम ओमप्रकाश सहारण को अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट प्रशासन द्वारा शमशान घाट (मोक्षधाम) का पुनर्वास किये जाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट द्वारा जोधपुरा के शमशान घाट को गांव से 1.5 किलोमीटर दूर ग्राम कांसली की सीमा पर शिफ्ट किये जाने को लेकर समिति ने आपत्ति की है कि जब तक ग्राम जोधपुरा का पुनर्वास नहीं होगा तब तक पुश्तैनी जगह पर ही दाह संस्कार करेंगे। यदि अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट पुश्तैनी शमशान घाट से बेदखल करेगा तो अनिश्चितकालीन धरना व आन्दोलन प्लांट के गेट नंबर 02 पर किया जायेगा। ग्रामीणों का कहना है कि अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट प्रशासन द्वारा राजस्व ग्राम मोहनपुरा के 120 परिवारों का ही पुनर्वास किया गया है। मोहनपुरा के ही मौहल्ले जोधपुरा का पुनर्वास बाकी छोड़ दिया गया।

इसके बावजूद भी अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट प्रशासन द्वारा श्मशान घाट (मोक्ष धाम) जोधपुरा से 1 से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर पुनर्वासित किया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक ग्राम जोधपुरा का पुनर्वास नहीं किया जाता तब तक पूर्व में स्थित श्मशानों को यथास्थिति में रखा जायें एवं अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट प्रशासन को पुनर्वासित किए गए श्मशानों के प्रवेश द्वार से जोधपुरा नाम को हटवाया जाये और आगे पूर्व में स्थित श्मशान घाटों से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करने के लिये पाबंद किये जाने की मांग भी की।

इस दौरान समिति उपाध्यक्ष सतपाल यादव, सचिव कैलाश यादव, सदस्य लीलाराम यादव, एड. मनोज चौधरी, मदनलाल योगी, भूपसिंह धानका, सुबेसिंह मीणा, विजय यादव, प्रभुदयाल वर्मा, हरभगत नारवाल, दिनेश यादव, संकेश योगी, रामनिवास योगी, हंसराज योगी, रामनिवास अध्यापक, ओमप्रकाश यादव, रामस्वरूप सैन, सुरेश कुमार शर्मा, श्रीपाल यादव, राकेश कुमार खोल, गौरव सुरेलिया, राजेंद्र प्रसाद यादव, ओमप्रकाश, महिपाल यादव, रामस्वरूप मीणा, सुनील योगी, सियाराम यादव, सचिन यादव, जेपी कोटिया, पूर्व सरपंच नरेंद्र समेत ग्रामीण मौजूद रहे।

गाड़ियों से स्टंट करने वाले सात युवक शांतिभंग में गिरफ्तार

दूदू पुलिस ने गाड़ियों से स्टंट करने के मामले में सात जनों को पकड़ा।

■ चार वाहन जिनमें थार गाड़ी, वरना कार, क्रेटा कार व फोक्स कार जब्त की

सांभरझील, (निसं)। गाड़ियों से स्टंट कर आमजन में भय पैदा करने वाले सात जनों को पुलिस ने शांतिभंग में गिरफ्तार किया है। थाना दूदू पर अभय कमाण्ड से सूचना मिली कि बगरू इलाके से एक काले कलर की थार गाड़ी चोरी हो गयी है।

सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा के निर्देशन में वृत्ताधिकारी दूदू दीपक खण्डेलवाल के सुपरविजन तथा थानाधिकारी दूदू मुकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा तुरन्त रवाना होकर दूदू पुलिया से नीचे अजमेर रोड़ पंहुची और नाकाबंदी की गई। दौराने नाकाबंदी एक थार गाड़ी व अन्य तीन गाड़ियां स्टंट करती हुई नजर आई जिनको रूकवाया तो वाहनों में बैठे व्यक्ति उतरकर भागने लगे, जिनको जाब्ता की मदद से डिटेन कर पूछताछ की तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। उक्त व्यक्तियों द्वारा आम रास्ते पर वाहनों से स्टंट करके आमजन में भय का माहौल पैदा कर अशांति पैदा करने व संदिग्ध प्रतीत होने पर सात युवकों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया। चार वाहन थार गाड़ी, वरना कार, क्रेटा कार व फोक्स कार को धारा 207 एमवी एक्ट में जब्त किया गया। संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ जारी है। पकड़े गए युवक शुभम मान पुत्र रोहिताश जाट निवासी गोरिर थाना मैवाड़ा जिला झुन्झूनुं, पिंटू सैनी पुत्र बालुराम सैनी निवासी सोंलगपुरा थाना छावनी जिला टोंक, राजवीर मीणा पुत्र नाथूराम मीणा निवासी पटेल मार्ग थाना शिप्रापथ मानसरोवर जयपुर, अभिषेक पुत्र महावीर गुर्जर निवासी दहमीकलां थाना बगरु जिला जयपुर, रणवीर सिहं पुत्र ओमसिंह राजपूत निवासी जुगल महाराज का मौहल्ला बगरु थाना बगरु जिला जयपुर, दीपक गौरा पुत्र हरदयाल गौरा निवासी नन्द गांव पोस्ट धानक्या थाना बिन्दायका जिला जयपुर शहर, विकास बधाला पुत्र मदन लाल जाट निवासी झान्झरिया थाना बगरु जिला जयपुर शहर के रहने वाले हैं।

तीन लुटेरे बापर्दा गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राहगीरों को पैरों से टंगड़ी मार कर जेब से रुपये निकालने वाली टंगड़ी गैंग के तीन शातिर लुटेरों को बापर्दा गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस लूटे गए माल सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी जब्त की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पैरों से टंगड़ी मार कर जेब से रुपये निकालने वाली टंगड़ी गैंग के शातिर बदमाश नियाजुदीन उर्फ फाट्या, मुन्ना उर्फ ईदू और मोनू को गिरफ्तार किया है और तीनों ही आरोपित भट्टा बस्ती इलाके के रहने वाले है। आरोपित मुन्ना और मोनू के खिलाफ कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज है। सभी आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के है। जिनके खिलाफ पूर्व में भी कई मामले दर्ज है।

पिता ने पांच माह की जुड़वा बेटियों को पटक-पटक कर मार डाला

■ वारदात के बाद परिवारवालों ने बच्चियों को जोहड़े में दफना दिया, आरोपी फरार

■ मां की शिकायत पर पुलिस ने दोनों शवों को जमीन से निकालकर पोस्टमार्टम कराया

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना शहर के वार्ड नंबर 31 में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक निर्दयी पिता ने अपनी ही पांच महीने की जुड़वा मासूम बेटियों को बेरहमी से पटक-पटक कर मार डाला। वारदात के बाद परिवारवालों ने बच्चियों को जोहड़े में दफना दिया। मां की शिकायत पर पुलिस ने दोनों शवों को जमीन से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम कराया और आरोपी पिता के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मृत बच्चियों की मां अनिता यादव ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी 11 नवंबर 2016 को अशोक कुमार यादव के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही पति और सास उसे लगातार प्रताड़ित करते थे। जब 4 नवंबर 2024 को उसने जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया तो पति और सास दोनों ने उसे ताने देने शुरू कर दिए कि वह वंश नहीं बढ़ा सकती। अनिता के अनुसार, 27 मार्च को दोपहर तीन बजे किसी घरेलू काम को लेकर पति अशोक कुमार और सास से उसका झगड़ा हुआ। इसी दौरान अशोक कुमार ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। उसने पहले एक बेटी को जमीन पर जोर से पटका, जिससे उसके नाक और मुंह से खून बहने लगा। फिर दूसरी बच्ची को भी बेरहमी से पटककर मार डाला।

मां बेहोश, परिवारवालों ने बच्चियों को दफना दिया:- इस दर्दनाक मंजर को देखकर अनिता बेहोश हो गई। जब उसे होश आया तो परिवारवालों ने बताया कि दोनों बच्चियां खत्म हो गई और उन्हें दफना दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही अनिता ने अपने पिता कजोड़मल यादव के साथ कोतवाली थाने पहुंचकर अपने पति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने शव निकाले, पोस्टमार्टम कर दफनाया:- जुड़वा बच्चियों निधि और नव्या की हत्या की सूचना पर पुलिस हरकत में आई और एसडीएम राजवीर यादव, पुलिस अधिकारी रोशन मीणा तथा पीएमओ डॉ. कमल सिंह शेखावत की मौजूदगी में शवों को कब्र से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम कराया गया।

हत्या का मामला दर्ज, आरोपी की तलाश जारी:- पुलिस ने अनिता की रिपोर्ट के आधार पर आरोपी अशोक कुमार यादव के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि, वारदात के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है। इस वीभत्स घटना से पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया है। स्थानीय लोगों ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है। मासूम बच्चियों का हत्या ने इंसानियत को झकझोर कर रख दिया है।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो अधेड़ भाइयों की दर्दनाक मौत

■ गंभीर घायल एक अन्य का भीलवाड़ा के निजी अस्पताल में उपचार जारी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गुलाबपुरा थाना क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-148 डी पर रेलवे पुलिया के निकट गुरुवार शाम हुए हादसे में ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो अधेड़ की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में एक व्यक्ति के सिर से होकर ट्रेलर गुजरा तो दूसरे के पैर और कमर से होकर वहीं तीसरे व्यक्ति के हाथ व आधे सिर और मुंह पर गंभीर चोटें आई हैं।

जानकारी अनुसार खामोर निवासी दो सगे भाई सोहन पुत्र किसना तेली व बरदा पुत्र किसना तेली सहित उनके ही समाज का गोपाल पुत्र सुवा तेली एक ही बाइक पर सवार होकर सामाजिक कार्यक्रम में सूतीखेड़ा शामिल होने गए थे। शाम को कार्यक्रम से निपटने के बाद तीनों साथ ही खामोर लौट रहे थे। तभी गुलाबपुरा रेलवे पुलिया के निकट ट्रेलर से हादसे का शिकार हो गए, सोहन (60) पुत्र किसना तेली, बरदा (55) पुत्र किसना तेली की मौत हो गई। वहीं गंभीर घायल गोपाल पुत्र सुवा तेली का भीलवाड़ा के निजी अस्पताल में वेंटीलेटर पर उपचार जारी है। दोनों भाइयों के मृत शरीर को पोस्टमार्टम कर शुक्रवार सुबह परिजन अपने गांव लेकर आए। एंबुलेंस से उतारने से पहले ही रिश्तेदार, बेटियों और बेटों की चिक्कार फूट पड़ी। शवों को देख हर किसी की आंखों में आसूं आने लगे। मृतक सोहन पुत्र सुवा तेली की पत्नी की हाल ही में एक माह पहले ही मौत हुई थी। वहीं दो माह पहले परिवार में शादी समारोह था। बरदा पुत्र किसना तेली के छोटी लड़कियां और बच्चे है। वहीं गोपाल पुत्र सुवा तेली के पुत्र का कुछ दिनों बाद शादी का आयोजन भी था। ऐसे में परिवार के साथ आकस्मिक हादसा होना गहरा असर डाल गया।

नाबालिग के किडनैप-रेप मामले में बीकानेर एसपी को रिकॉर्ड साथ पेश होने के आदेश

■ नाबालिग लड़की के साथ हुए रेप और किडनैप मामले में हाईकोर्ट ने बीकानेर पुलिस पर सवाल उठाए

■ हाईकोर्ट ने देशनोक थाना अधिकारी और इस केस में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ न्यायिक जांच शुरू करने की चेतावनी दी

बीकानेर, (निसं)। यहां सितंबर 2024 में नाबालिग लड़की के साथ हुए रेप और किडनैप मामले में हाईकोर्ट ने बीकानेर पुलिस पर सवाल उठाए हैं। हाईकोर्ट ने देशनोक थाना अधिकारी और इस केस में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ न्यायिक जांच शुरू करने की चेतावनी दी है। इसके साथ ही एसपी को रिकॉर्ड और शपथ पत्र के साथ पेश होने के आदेश दिए गए हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 7 अप्रैल को होगी।

मामला जिले के देशनोक थाने से जुड़ा है। सात अक्टूबर 24 को नाबालिग लड़की को अयोध्या से बरामद करने के बाद पुलिस ट्रेन से बीकानेर के लिए रवाना हुई थी। ये पहले जयपुर गए, जहां से बीकानेर के लिए रवाना हुए। नौ अक्टूबर को रास्ते में देशनोक थाने से महज 30 किलोमीटर दूर नोखा में ही ट्रेन से उतरकर एक होटल में रुक गए थे। इतना ही नहीं जिस होटल में रुके थे वह भी थाने से महज 30 किलोमीटर दूर थी। इसके बाद भी नाबालिग को दस अक्टूबर की रात आठ बजे लेकर पहुंचे। इस मामले में ये ही सवाल उठ रहा है कि आखिर लड़की को इतनी देर तक होटल में क्यों रोककर रखा। देशनोक पहुंचने के बाद भी नाबालिग को परिजनों के सुपुर्द करने के बजाय बालिका सुधार गृह भेजा गया। जहां से छह-सात दिन बाद उसे परिजनों के सुपुर्द किया गया। घर पहुंचने के बाद ही उसने सारे मामले का खुलासा किया। परिवादी ने आईजी बीकानेर, एसपी बीकानेर, सीओ नोखा, एसएचओ देशनोक, पुलिसकर्मी सुनील पूनिया, कॉन्स्टेबल गोपाल, सचिन और सुमन स्वामी को पार्टी बनाया था।

मामले के अनुसार 26 सितंबर 2024 को पुलिस थाना देशनोक में आईपीसी की धारा 137 (2) और 87 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाया कि उसकी 16 वर्षीय बहन का अपहरण कर लिया गया है। पुलिस ने पीड़िता को अयोध्या से आरोपी के साथ बरामद किया। इसके बाद पीड़िता के पिता ने पुलिस थाना नोखा में दूसरी प्राथमिकी दर्ज करवाई, जिसमें आरोप लगाया गया कि उनकी बेटी को आरोपी ने अगवाकर अयोध्या ले जाकर रेप किया। अपने फैसले में हाईकोर्ट ने सवाल उठाया कि जो पुलिसकर्मी नाबालिग को लेकर अयोध्या से नोखा तक 1100 किलोमीटर का सफर कर चुके थे, फिर वे देशनोक क्यों नहीं गए, ऐसे में थानाधिकारी और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। कोर्ट के सामने पेश किए रिकॉर्ड के अनुसार देशनोक पुलिस 7 अक्टूबर 2024 को अयोध्या पहुंची और पीड़िता तथा आरोपी को अपनी कस्टडी में लिया। पुलिस टीम, जिसमें केवल कॉन्स्टेबल स्तर के पुलिसकर्मी शामिल थे, दोनों को ट्रेन के माध्यम से अयोध्या से नोखा लेकर आई। 9 अक्टूबर 2024 को रात 10 बजे पुलिस नोखा पहुंची और वहां एक होटल में 20 घंटे तक ठहरी। इस दौरान पीड़िता को आरोपी के साथ एक कमरे में बंद करने, शारीरिक उत्पीड़न करने और उसे आरोपी के पक्ष में बयान देने के लिए दबाव डालने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

पीड़ित परिवार की ओर से पुलिस प्रशासन के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए कोर्ट में गया। कोर्ट में मामला जाने के बाद 25 नवम्बर 2024 को नोखा पुलिस थाना को आदेश दिया कि अभियुक्त (पुलिसकर्मियों) के विरुद्ध प्रसंज्ञान लेकर एफआईआर दर्ज करें। पीड़ित के निरंतर प्रयासों के बाद 27 नवम्बर 2024 को एफआईआर दर्ज की गई। इस एफआईआर में देशनोक थाना अधिकारी समेत दो कॉन्स्टेबल और एक महिला कॉन्स्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

अवैध पेट्रोलियम पदार्थ सहित वाहन जब्त

बालोतरा, (निसं)। पचपदरा पुलिस उप अधीक्षक अशोक जोशी एवं जिला रसद अधिकारी हजारीलाल आलोरिया की संयुक्त टीम द्वारा गांव पटाऊं में राष्ट्रीय राजमार्ग से लगभग 150 मीटर अंदर खेत में बने मकान के पास से अवैध पेट्रोलियम के भंडारण एवं क्रय विक्रय की अवैध गतिविधियों के संबंध कार्यवाही की गई।

जिला रसद अधिकारी हजारीलाल आलोरिया ने बताया कि मौके से दो बड़े टैंकर 24- 24 हजार लीटर एवं दो छोटे पिकअप टैंकर 25-25 सौ लीटर, दो जनरेटर मय प्लास्टिक पाइप व 3 प्लास्टिक ड्रम जब्त किए गए। इस दौरान अनुमानित 53 हजार लीटर अवैध पेट्रोलियम पदार्थ जब्त किया गया। मौके से डिटेन किए गए॰3 व्यक्तियों से 47 हजार रुपए जब्त किए गए। उन्होंने बताया कि संबंधित संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस थाना पचपदरा में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। जब्तशुदा पेट्रोलियम पदार्थ एवं अन्य सामग्री के त्वरित निस्तारण व राजसात करने के लिए न्यायालय जिला कलक्टर बालोतरा में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है।

पांच अभियंता सहित एक सहायक लेखाधिकारी-द्वितीय निलंबित

जयपुर। राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड-प्रथम पाली के जवाई क्लस्टर चतुर्थ जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जांच कमेटी की प्राथमिक जांच में पाई गई गंभीर अनियमितताओं को लेकर 5 अभियंताओं सहित एक सहायक लेखाधिकारी-द्वितीय को निलंबित कर दिया है। आदेशानुसार महेन्द्र कुमार तत्कालीन अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड-प्रथम पाली हाल अधिशाषी अभियंता जन स्वा. अभि. विभाग जिला खण्ड झुंझुनू, महेन्द्र कुमार वर्मा, तत्कालीन अधिशाषी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड-प्रथम पाली हाल अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, परियोजना खण्ड झुंझुनू, रामलाल मीना, तत्कालीन अधिशाषी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड-प्रथम पाली हाल अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कुचामन, प्रतिभा कटारिया, तत्कालीन सहायक अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड-प्रथम पाली हाल सहायक अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, क्षेत्र जोधपुर स्थानान्तरणाधीन, प्रेमराज मीना, तत्कालीन सहायक अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड-प्रथम पाली हाल सहायक अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, (परियोजना) परियोजना खण्ड मंडरायल जिला करौली सहित श्री युधिष्ठिर सिंह, तत्कालीन सहायक लेखाधिकारी-द्वितीय जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना खण्ड-प्रथम पाली हाल कार्यालय विकास अधिकारी, पंचायत समिति रोहट, जिला पाली को निलंबित किया है।

कुलपति प्रो. रमेश चंद्रा निलम्बित

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के कुलपति प्रो. रमेश चंद्रा को राज्य सरकार के परामर्श से तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। राज्यपाल ने प्रो. चंद्रा के खिलाफ संभागीय आयुक्त, भरतपुर की जांच रिपोर्ट के आधार पर उन्हें निलंबित किया है। संभागीय आयुक्त, भरतपुर द्वारा प्रथम दृष्टया उनके विरुद्ध आरोप प्रमाणित पाये गये।

जिला बहाली की मांग को लेकर शाहपुरा बंद रहा

शाहपुरा को पुनः जिला बनाने की मांग को लेकर आंदोलन 87वें दिन भी जारी

जिला बहाली की मांग को लेकर शाहपुरा के लोगों ने प्रदर्शन किया।

■ आंदोलन के तहत हर माह की 28 तारीख को ब्लैक-डे मनाने का निर्णय लिया

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति के आव्हान पर कस्बा शुक्रवार पूरी तरह से बंद रहा। शाहपुरा को पुनः जिला बनाने की मांग को लेकर यह आंदोलन लगातार 87वें दिन भी जारी रहा। वहीं आंदोलन के दौरान महलों के चौक से सदर बाजार होते हुए पूर्व आईएएस ललित के पंवार अध्यक्ष जिला रिव्यू कमेटी के पुतले की शवयात्रा निकाल कर उपखंड कार्यालय के बाहर पुतला दहन कर उपखंड अधिकारी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

संघर्ष समिति के अध्यक्ष दुर्गालाल राजौरा और संयोजक रामप्रसाद जाट के नेतृत्व में चल रहे इस आंदोलन के तहत हर माह की 28 तारीख को ब्लैक-डे मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में शुक्रवार को शाहपुरा में बाजार पूर्णतः बंद रहे। इस बंद को व्यापार मंडल का भी पूरा समर्थन प्राप्त हुआ है, जिससे शहर के अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान, दुकानें और सेवाएं ठप्प रहीं। सुबह से ही कस्बे के बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा और दुकानों के शटर बंद नजर आए। स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने भी संघर्ष समिति के इस शांतिपूर्ण बंद को समर्थन दिया।

संघर्ष समिति के सदस्यों ने बताया कि उन्होंने भीलवाड़ा जाकर मुख्यमंत्री से मुलाकात कर ज्ञापन देने का निर्णय लिया, लेकिन मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से उन्हें मिलने का समय नहीं दिया गया। शाहपुरा बंद और आंदोलन के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस विभाग ने कस्बे में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। संघर्ष समिति ने साफ कहा है कि अब शाहपुरा की जिला बहाली के सिवाय किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। समिति का कहना है कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा घोषित शाहपुरा जिले को वर्तमान सरकार ने वापस लेकर शाहपुरा की जनभावनाओं का अपमान किया है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आंदोलनकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि यह आंदोलन पूरी तरह से गैर-राजनीतिक और जनहित में है और जब तक शाहपुरा को पुनः जिला नहीं बनाया जाता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। शाहपुरा के आम नागरिकों में भी इस मुद्दे को लेकर गहरा रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि उन्हें अब भी जिला स्तर की मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं और उन्हें भीलवाड़ा जैसे बड़े शहरों की दौड़ लगानी पड़ती है। संघर्ष समिति का यह आंदोलन जन आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। यदि सरकार ने जल्द ही कोई ठोस निर्णय नहीं लिया, तो यह आंदोलन और अधिक तीव्र रूप ले सकता है।

40 लाख रुपये से अधिक की ठगी और जबरन वसूली का मामला सामने आया

न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मामला दर्ज किया

■ गोकुल एग्री इंटरनेशनल (गेल) के अधिकारिया ने ठगी की, मामला दर्ज

भीलवाड़ा, (निसं)। व्यापारी शंकरलाल उर्फ शंभू बिड़ला के साथ गोकुल एग्री इंटरनेशनल (गेल) के अधिकारियों द्वारा 40 लाख रुपये से अधिक की ठगी और जबरन वसूली का मामला सामने आया है। पीड़ित व्यापारी ने पहले पुलिस को शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद न्यायालय के आदेश पर थाना सिटी कोतवाली, भीलवाड़ा में एफआईआर के तहत आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

शंकरलाल बिड़ला, जो जय भोले शुगर कंपनी के माध्यम से तेल का व्यापार करते हैं, ने व्यापारिक लेन-देन के तहत गोकुल एग्री इंटरनेशनल से कारोबार शुरू किया था। इस दौरान विनुजी अमृतजी राजपूत के माध्यम से संपर्क हुआ और व्यापारिक सौदा तय हुआ। बाद में और सीताराम ऑयल कंपनी के बीच लेनदेन को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। हालांकि, इस मामले से शंकरलाल बिड़ला का कोई संबंध नहीं था, लेकिन इसके बावजूद के गेल के अधिकारियों ने उन्हें इसमें जबरन घसीट लिया और 40 लाख रुपये की जबरन वसूली की। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने 19 लाख रुपये नकद वसूले और 21 लाख रुपये के तीन चेक जबरन लिखवाकर अपने पास रख लिए। जब उन्होंने समझौते के तहत अपने चेक वापस मांगे तो आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी और 21 लाख रुपये और नहीं देने पर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। शिकायत दर्ज कराने के बावजूद पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिसके चलते व्यापारी ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर अब थाना सिटी कोतवाली, भीलवाड़ा में विनुजी अमृतजी राजपूत, बलवंत राजपूत, विनोद राजपूत, प्रवीण खंडेलवाल, के.जी. वागेला, कांतिलाल प्रजापति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस घटना को लेकर भीलवाड़ा के व्यापारियों में आक्रोश है और उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इसमें कोई शक नहीं। रणनीति बहुत बडे स्तर पर बनाई जाती है। कुछ साल पहले जब मैं खेल रहा था तब पावरप्ले का स्कोर 45 के आसपास अच्छा माना जाता था।

– पार्थिव पटेल

गुजरात टाइटंस के सहायक कोच, पावरप्ले में बन रहे बड़े स्कोर को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नोवाक जोकोविच

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा को हराकर मियामी ओपन में पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। एक घंटा 24 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी जोकोविच ने दूसरे सेट में ब्रेक डाउन से वापसी करते हुए कोर्डा पर 6-3 7-6 (7-4) से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही 37 वर्षीय जोकोविच एटीपी मास्टर्स 1,000 इवेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गये हैं। 2016 के बाद से जोकोविच इस टूर्नामेंट में पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में 80 शतक जड़ चुके हैं। इस वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ पाना नामुमकिन के बराबर है।

चौथी बार बढ़ा आरसीए एडहॉक कमेटी का कार्यकाल

जयपुर, 28 मार्च। फिर से तीन माह का बढ़ाया गया।एडहॉक कमेटी का कार्यकाल, भाजपा विधायक जयदीप बिहाणी बने रहेंगे कन्वीनर, रतन सिंह, हरीश चंद्र व धनंजय सिंह सदस्य बरकरार, धर्मवीर सिंह व विमल शर्मा भी सदस्य बनाए रखे गए। पिछले दिनों विवादों में रही थी आरसीए एडहॉक कमेटी, लेकिन रजिस्ट्रार सहकारिता ने इसी कमेटी पर भरोसा रखा बरकरार। कमेटी को तीन माह में आरसीए का चुनाव करवाने का दिया निर्देश।

भारतीय खाद्य निगम, उत्तर क्षेत्र और उत्तर रेलवे ने जीत दर्ज की

नई दिल्ली, 28 मार्च। इंस्टिटॺयूशनल फुटबाल लीग में शुक्रवार को भारतीय खाद्य निगम, उत्तर क्षेत्र और उत्तर रेलवे ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए पूरे अंक अर्जित किये। आज यहां विनोद नगर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स मैदान पर खेले गये मुकाबले में उतर क्षेत्र ने डी डी ए पर 6-1 की बड़ी जीत दर्ज की तो खाद्य निगम मुख्यालय ने डीटीसी को 7-0 से रौंदा। हितिक वालिया ने लीग की पहली हैट्रिक जमाई। एक अन्य मुकाबले में उत्तर रेलवे ने दिल्ली ऑडिट को जितेन्दर राणा के गोल से परास्त किया। खाद्य निगम मुख्यालय की जीत में हितिक वालिया की हैट्रिक मैच का आकर्षण रही तो स्टार खिलाड़ियों से सजी टीम के लिए यश थापा ने दो और मोनू चौधरी एवम उमंग शर्मा ने एक एक गोल बांटे। खाद्य निगम उत्तर क्षेत्र की जीत का हीरो पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी त्रिलोक सिंह बिष्ट रहा जिसने दो दर्शनीय गोल किय। जोगिंदर सिँह, पियूष भंडारी, ललित और कमल सिंह ने एक एक गोल बांटे। दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला उतर रेलवे और दिल्ली ऑडिट के बीच देखने को मिला। दोनों तरफ से कई अच्छे मूव बने लेकिन रक्षापंक्ति और गोलकीपर के सुन्दर बचाव से गोल नहीं बन पाया। बड़े उम्र के खिलाड़ियों से सजी डी डी ए और डीटीसी दौड़ से बाहर होने की कगार पर हैं।

चेन्नई और मदुरै करेंगे एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप की मेजबानी

नई दिल्ली, 28 मार्च। तमिलनाडु के चेन्नई और मदुरै 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाली एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप की मेजबानी करेंगे। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप की मेजबानी करने वाले तमिलनाडु के चेन्नई और मदुरै शहरों के नामों की घोषणा की।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने चेन्नई सुपर किंग्स को 50 रनों से हराया

चेन्नई, 28 मार्च। कप्तान रजत पाटीदार (51), फिल सॉल्ट (32), विराट कोहली (31) और टिम डेविड (नाबाद 22) रन के बाद हेजलवुड (तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के आठवें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 50 रनों से हरा दिया है। आरसीबी टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है।

197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र आठ रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। राहुल त्रिपाठी (पांच), कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (शून्य) को जॉश हेजवुड ने आउट किया। दीपक हुड्डा (चार) और सैम करन (आठ) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। 13वें ओवर में यश दयाल ने रचिन रविंद्र (41) को आउटकर चेन्नई की उम्मीदों को ध्वत कर दिया। इसके बाद यश ने शिवम दुबे (19) को भी बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। रवि अश्विन (11) को लियम लिविंगस्टन ने आउट किया। इसके बाद रवींद्र जडेजा और महेन्द्र सिंह धोनी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच आठवें के लिए 31 रनों की साझेदारी हुई।

हेजलवुड ने रवींद्र जडेजा (25) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। चेन्नई सुपर किंग्स निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 146 रन ही बना सकी और 50 रनों से मुकाबला हार गई। आरसीबी की ओर से जॉश हेजलवुड ने तीन विकेट, लियम लिविंगस्टन और यश दयाल ने दो-दो विकेट लिये। भुवनेश्वर कुमार ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी के लिए फिल सॉल्ट और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े।

रीतिका हुड्डा ने एशियाई कुश्ती चैम्पियनशप में जीता रजत पदक

अम्मान, 28 मार्च। मौजूदा अंडर 23 विश्व चैंपियन रीतिका हुड्डा ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं के फ्रीस्टाइल 76 किग्रा वर्ग स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया हैं। जार्डन के अम्मान में गुरुवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में भारतीय पहलवान रीतिका किर्गिस्तान की ऐपेरी मेदेत किजी से 7-6 से हार गईं और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। एक समय रीतिका 6-2 से आगे थीं, लेकिन आखिरी सेकेंड में बढ़त को गंवा दिया। रीतिका ने सेमीफाइनल में जापान की नोदोका यामामोटो को हराकर अपना दूसरा सीनियर एशियाई पदक पक्का किया। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में कोरिया की सियोयोन जियोंग को 10-0 से हराया था।

इस बीच अन्य मुकाबलों में मुस्कान ने (59 किग्रा) वर्ग और मानसी लाठर ने (68 किग्रा) वर्ग स्पर्धा में कांस्य पदक जीते। मुस्कान क्वार्टर फाइनल में जापान की सकुरा ओनिशी से 12-2 से हारीं, लेकिन रेपेचेज में मंगोलिया की अल्टजिन तोगतोख को 4-0 से हराकर कांस्य जीता। वहीं 18 साल की मानसी ने सीनियर डेब्यू में कजाकिस्तान की इरीना कज्युलिना को 12-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। उनकी सेमीफाइनल में हार चैंपियन जेलु ली से हुई। गुरुवार को तीन पदकों के साथ भारत के पदकों की संख्या अब पांच हो गई है। पहले दो दिन ग्रीको-रोमन के नितेश (97 किग्रा) और सुनील कुमार (87 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे।

प्रिंस जाखड़ व प्रवीण शर्मा के नाबाद अर्द्धशतकों की मदद से जी.आर. एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 28 मार्च। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज जी.आर क्रिकेट ग्राउण्ड सिरसी पर खेले गये पूल-सी के मैच में प्रिन्स जाखड़ व प्रवीण शर्मा के नाबाद अद्धर्शतको की मदद से जी.आर क्रिकेट एकेडमी ने विवेक यादव मैमोरियल क्रिकेट क्लब को 8 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर विवेक यादव मैमोरियल क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।

युवराज मीणा 30 रन व अव्याशं सिंह 26 रन ने पहले विकेट पर 4.3 ओवर में 42 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाजो में हार्दिक मेवाड़ा 23 रन व कृष्णा राठी 17 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज जी.आर एकेडमी के गेंदबाजों हिमांशु सिंह राणा 25 रन पर 2 विकेट, सव्य गजराज 13 रन पर 2 विकेट, लेखन भारती 23 रन पर 2 विकेट, विनय चौधरी 14 रन पर 1 विकेट कि कसी हुई गेंदबाजी के समक्ष लम्बी पारी खेलने में विफल रहे और निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 128 रन ही बना सकें। जवाबी पारी में प्रवीण शर्मा 55 रन नाबाद (24 गेंद, 7 चौके, 3 छक्के), प्रिन्स जाखड़ 54 रन नाबाद (18 गेंद, 2 चौके, 6 छक्के), शुभम पटवाल 19 रन की मदद से विजय लक्ष्य 129 रन 9.2 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर 8 विकेट से आसान जीत दर्ज कर ली, गेंदबाजी में कृष्ण कुमार गुप्ता 22 रन पर 2 विकेट लेकर एक मात्र सफल गेंदबाज रहे। मैन ऑफ दा मैच प्रिन्स जाखड़ 54 रन नाबाद (18 गेंद, 2 चौके, 6 छक्के), जी.आर. क्रिकेट एकेडमी रहे।

फैडरेशन कप में राजस्थान (पुरुष/महिला) वुशू टीम ने जीते 21 पदक

जयपुर, 28 मार्च। भारतीय वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 24 से 28 मार्च 2025 तक बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित हुई, 08वी फेडरेशन कप (पुरुष/महिला) वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए, 05 स्वर्ण, 08 रजत व 08 कांस्य कुल 21 पदक जीते। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ के अनुसार पदक विजेता खिलाडियों के विवरण इस प्रकार है -स्वर्ण पदक विजेता 1. विजय भारद्वाज 2. लोकेश पूनिया 3. नीलम चौधरी 4. रजत प्रकाश गुप्ता 5. गुलशन बड़गुर्जर

रजत पदक विजेता 1. अमन पारीक 2. जसवीर यादव 3. पूर्ति शर्मा 4. किशन कुमार (2 रजत) 5. मनोज चित्तौड़िया 6. दीपक देवड़ा 7. संजू सैनी।

ओसासुना को हराकर बार्सिलोना अंकतालिका में शीर्ष पर

मैड्रिड, 28 मार्च। फेरान टोरेस और डानी ओल्मो के शुरुआती गोलों की बदौलत एफसी बार्सिलोना ने ओसासुना को हराकर, ला लीगा की अंकतालिका में तीन अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। कैम्प नोउ में गुरुवार को खेले गये इस मुकाबले में बार्सिलोना के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओसासुना के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत में फारवर्ड फेरान टोरेस ने 11वें मिनट में अलेजांद्रो बाल्डे के शानदार क्रॉस पर गोलकर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। इसके बाद डानी ओल्मो ने टीम के लिए दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया।

श्रेयस-ईशान को मिल सकता है बीसीसीआई का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, 28 मार्च। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वापसी हो सकती है। पिछले साल दोनों को बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 2023-24 से बाहर किया गया था।

राजस्थान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को स्टेच्यू सर्किल, जनपथ और अन्य स्थानों को रोशनी से जगमग किया गया।

गडकरी ने जैसलमेर व बाड़मेर में 1237 करोड़ रुपये के कार्यों की मंजूरी दी

- जयपुर, जोधपुर, उदयपुर रिंग रोड सहित विभिन्न परियोजनाओं की डीपीआर के काम अगले माह से शुरू होगें

जयपुर/दिल्ली। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को दिल्ली में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश की विभिन्न सड़क परियोजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में सकारात्मक चर्चा हुई।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री द्वारा राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-70 और राष्ट्रीय राजमार्ग-11 (कुल लंबाई 134.86 किलोमीटर) के मौजूदा कनेक्शन को मजबूत/चौड़ा करने के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग-11 के म्याजलार-जैसलमेर खंड और मुनाबाव-तनोट के सुंदरा-म्याजलर-अंबासिंह की ढाणी रोड भाग से पक्की सड़क के साथ 2-लेन का मजबूत और चौड़ीकरण करने के लिए 1237.71 करोड़ रुपए की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है।

प्रस्तावित संरेखण राष्ट्रीय राजमार्ग-25 और राष्ट्रीय राजमार्ग-68 के साथ संपर्क स्थापित करेगा, और राष्ट्रीय राजमार्ग-70 से भी जुड़ेगा, जिससे क्षेत्रीय परिवहन नेटवर्क में और वृद्धि होगी। यह परियोजना महत्वपूर्ण रणनीतिक महत्व रखती है क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित है, जो सुरक्षा कर्मियों की सीमावर्ती क्षेत्रों में तेजी से पहुंचने की क्षमता को बहुत बढ़ाएगी। यह परियोजना सड़क लोकप्रिय पर्यटन स्थल खुरी रेत के टीलों से भी होकर गुजरेगी और इससे मार्ग के किनारे स्थित अनेक गांवों को लाभ मिलेगा, तथा क्षेत्र के समग्र विकास और संपर्क में योगदान मिलेगा। उपमुख्यमंत्री ने बताया की केन्द्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान अधिकारियों ने अवगत कराया की जयपुर, जोधपुर और उदयपुर रिंग रोड आदि की डीपीआर के आदेश अगले महीने हो जाएँगे एवं राजस्थान के लिए आगामी वर्ष में 5 हज़ार करोड़ के कार्य वार्षिक योजना में लिए जाएँगे। इसके साथ ही सीआरआईएफ में भी राजस्थान को 1500 करोड़ रूपये की राशि मिलेगी। इसके अतिरिक्त भरतपुर रिंग रोड, एलिवेटेड रोड, एवं ब्रज चौरासी परिक्रमा, जयपुर जोधपुर पचपदरा रोड की डीपीआर का कार्य अगले महीने शुरू होगा। उन्होने बताया की जयपुर सीकर रोड का कार्य तेज गति से होगा। साथ ही खाटू श्याम जी रिंग रोड एवं सुविधा विकसित करने के लिए डीपीआर के कार्य आदेश जल्द दिए जाएँगे। इसके अतिरिक्त जयपुर किशनगढ़ हाईवे के सुदृढ़ीकरण हेतु डीपीआर बनवाई जायेगी। उन्होने बताया की एनएचएआई द्वारा जयपुर दिल्ली पुराने हाईवे का कार्य जुलाई तक कर दिया जाएगा साथ ही शाहपुरा बाईपास के लिए डीपीआर के आदेश जल्द दिए जाएँगे। इसके अतिरिक्त देसूरी की नाल पर डीपीआर का कार्य जल्द पूरा कर लिया जाएगा तत्पश्चात कार्य प्रारम्भ कर दिया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री से मुलाकात की।

आई.ए.एस. देथा के माफी मांगने पर अवमानना कार्रवाई समाप्त

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से अवमानना के मामले में दिए आदेश की पालना में आईएएस भवानी सिंह देथा और तत्कालीन संयुक्त कॉलेज शिक्षा आयुक्त आरसी मीणा ने पेश होकर अदालत से बिना शर्त माफी मांगी। वहीं आईएएस शुचि त्यागी के अवकाश पर होने के चलते उनकी ओर से माफी मांगने की जानकारी एएजी विज्ञान शाह ने अदालत के सामने रखी। इस पर अदालत ने तीनों अधिकारियों को अवमानना की कार्रवाई से मुक्त कर दिया। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह आदेश डॉ. डीसी डूडी की अवमानना याचिका का निस्तारण करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान आईएएस देथा और आरसी मीणा अदालत में पेश हुए। अदालत ने उनसे कहा कि कोर्ट के आदेश के बाद भी उनकी ओर से पालना नहीं की जाती है। ऐसे में पक्षकार को अवमानना याचिका दायर करने के लिए एक बार फिर अदालतों के चक्कर लगाने पडते हैं। अदालत ने कहा कि आप आमजन की जगह खुद को रखकर सोचिए। मैं मध्यम वर्गीय परिवार से आया हूं और मुझे पता है कि आमजन को ऐसे मामलों में कितनी मुश्किल का सामना करना पडता है। जनता के हितों को देखते हुए अफसरों को तय समय में आदेशों की पालना करनी चाहिए। इस पर आईएएस देथा ने कहा कि उनका कभी भी अदालती आदेश की अवमानना करने का आशय नहीं रहता है और वे बिना शर्त माफी मांगते हैं। देथा ने अदालत को आश्वस्त किया कि भविष्य में अदालती आदेशों की समय पर पालना की जाएगी। इस दौरान दूसरे अधिकारी आरसी मीणा ने भी अदालत से माफी मांगी। वहीं अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि आईएएस शुचि त्यागी बाहर होने के चलते अदालत में नहीं आई हैं, लेकिन उन्होंने अदालत से बिना शर्त माफी का संदेश भिजवाया है। ऐसे में उन्हें भी अवमानना से मुक्त किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने तीनों अफसरों को अवमानना की कार्रवाई से मुक्त कर दिया।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अजय चौधरी ने बताया कि याचिकाकर्ता सांभर लेक में कॉलेज व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं। इससे पूर्व वह हरियाणा में लेक्चरर था। विभाग ने करियर एडवांसमेंट स्कीम के लिए उनकी पुरानी सेवा को सेवा लाभ में नहीं जोडा। ऐसे में उसे बढे हुए वेतनमान वेतनमान मिलने में डेढ साल की देरी हुई। इस पर डूडी की ओर दायर याचिका में एकलपीठ ने 5 मई 2022 को याचिकाकर्ता के पक्ष में फैसला दिया था। राज्य सरकार की अपील सुप्रीम कोर्ट से खारिज होने के बाद भी विभाग ने आदेश की पालना नहीं की। इस पर अदालत में अवमानना याचिका दायर हुई थी। पूर्व में अदालत की सख्ती के बाद आदेश की पालना हुई थी। इस दौरान अदालत के सामने आया कि आईएएस देथा के खिलाफ अवमानना के 46 मामले लंबित हैं।

पूर्णपीठ की सहमति के बाद भी जीए-एएजी पद पर नियुक्ति क्यों नहीं : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से जयपुर पीठ में आपराधिक मामलों की पैरवी के लिए जीए-एएजी पद पर अधिवक्ता बीएन सांदू की नियुक्ति को पूर्णपीठ की 16 अप्रैल 2024 को दी सहमति के बाद भी नियुक्ति नहीं देने को गंभीर माना है। वहीं अदालत ने मुख्य सचिव, प्रमुख विधि सचिव, हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल व अधिवक्ता सांदू से भी जवाब देने के लिए कहा है। अदालत ने प्रमुख विधि सचिव को निर्देश दिया है कि वे 2 अप्रैल को मूल रिकॉर्ड पेश कर बताए कि पूर्णपीठ की सहमति के बाद भी जीए-एएजी पद पर नियुक्ति क्यों नहीं की गई। जस्टिस गणेश राम मीणा ने यह आदेश इस संबंध में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। अदालत ने कहा कि पिछले एक साल से फौजदारी केसों का काम प्रभावित हो रहा है और इन केसों की पैरवी में राज्य सरकार का सहयोग नहीं मिल पा रहा। यह बड़ा ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि पूर्णपीठ की सहमति मिलने के बाद भी जीए-एएजी पद पर नियुक्ति नहीं करना अदालत की अवमानना है। सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट एके गुप्ता की ओर से कहा कि हाईकोर्ट में लंबित फौजदारी केसों की संख्या ज्यादा है।

'कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे का सदन में दिया बयान अक्षम्य'

- सांसद सुमन का बयान सोचा समझा और पूर्ण रूप से नियोजित, यह इंडी ठगबंधन की मानसिकता का द्योतक : डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल
- 'देश का इतिहास गवाह है, कांग्रेस राष्ट्र विरोधियों के साथ रहने की आदी है'

जयपुर। राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन को नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष खरगे द्वारा सरंक्षण देने का आरोप लगाया। डॉ अग्रवाल ने राज्यसभा की कार्रवाई के दौरान कहा कि आश्चर्य की बात है कि सांसद रामजीलाल सुमन ने राणा सांगा पर विवादित और अर्यादित बयान देने के बाद फिर से बयान दिया कि मैं मरते मरते मर जाउंगा, लेकिन मैं अपनी बात वापस नहीं लूंगा। जब तक जीवित रहूंगा, तब तक मैं इस बात को वापस नहीं लूंगा। यह इस बात को दर्शाता है कि सांसद सुमन ने जो कुछ कहां था, वो सोच समझ कर कहा था, पूर्ण होशोहवास में कहा था, नियोजित तरीके से कहा था। यह संपूर्ण इंडी ठगबंधन की मानसिकता का द्योतक है। एक बार तो सदस्य के कहनामे को तो छोड़ा जा सकता था, लेकिन नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष होते हुए इस पूरे मामले को दलित से जोड़ रहे हैं वो अक्षम्य है। वो अपराधियों को पूरी तरह संरक्षण देने वाला है।

अग्रवाल ने कहा कि देश का इतिहास गवाह है, कांग्रेस राष्ट्र विरोधियों के साथ रहने की आदी है। खरगे ने राणा सांगा को जान बूझ कर दलित समाज से जोड़कर के दलित का मुद्दा उठाकर राणा सांगा को दोबारा अपमानित किया है। इन्होंने इस मामले का राजनीतिकरण किया है, यह कांग्रेस की सोची हुई मंशा है। डॉ अग्रवाल ने बताया कि डॉ अम्बेडकर एक दलित थे, डॉ अम्बेडकर ने 25 अप्रैल को कहा था कि चाहे जो भी हो जाए इस देश की कांग्रेस में कभी भी नहीं जाया जा सकता है। आज सदन में खरगे ने अपनी उसी मानसिकता को सिद्ध करने का कार्य किया है। इतिहास गवाह है ।

मु.मंत्री ने 10,000 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया

भीलवाड़ा, 28 मार्च। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजस्थान दिवस के उपलक्ष में भीलवाड़ा का दौरा किया। इस दौरे पर उन्होंने 10,000 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

भीलवाड़ा नगर निगम के चित्रकूट धाम में उन्होंने राज्य स्तरीय विकास एवं सुशासन समारोह में भाग लिया और विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम में यूडीएच, एलएसजी और राजस्व विभाग द्वारा डेलिगेशन के ऑर्डर जारी किए। मुख्यमंत्री ने सब रजिस्ट्रार ऑफिस का समय सप्ताह में दो दिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं के दिशा-निर्देश जारी करने के साथ ही, सभी जिलों की पंचगौरव पुस्तिका का विमोचन भी किया। इससे स्थानीय क्षमताओं और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को हैल्थ कवरेज देने के लिए राजस्थान गवरमैंट हैल्थ स्कीम घोषित की और

मु.मंत्री भजनलाल ने भीलवाड़ा में राज्यस्तरीय विकास एवं सुशासन समारोह में साइबर क्राइम (डीजी) शरद कविराज को अटल ई-गवर्नेंस स्टेट अवॉर्ड प्रदान किया।

■ राजस्थान दिवस के उपलक्ष में आयोजित विकास एवं सुशासन समारोह में मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को हैल्थ कवरेज देने के लिए राजस्थान गवरमैंट हैल्थ स्कीम घोषित की।

चिकित्सा एप लॉच किया, इससे मरीज घर बैठे ही डॉक्टर से अपॉइन्टमैंट ले सकेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिला कलक्टर चित्तौड़गढ़ आलोक रंजन, जिला कलक्टर डूंगरपुर अंकित कुमार सिंह, शासन सचिव कार्मिक के.के. पाठक, महानिदेशक साइबर क्राइम शरद कविराज, महानिदेशक बीकानेर रेंज ओमप्रकाश को अटल ई-गवर्नेंस स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक अशोक कोठारी, लादु लाल पितलिया, गोपाल लाल शर्मा सहित कई भाजपा नेता व सरकारी अधिकारी मौजूद थे।

बिहार चुनाव में महिलाओं को ''कैश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बहन योजना'' की घोषणा की थी। इसी राह पर चलते हुये, भाजपा ने महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली के चुनावों में ''लाड़ली बहन योजना'' का प्रचार किया था। जे.एम.एम. सहित, गैर-भाजपा दलों ने भी इसी उपाय को अपनाया था और आदिवासी राज्य की सत्ता में हेमंत सोरेन की वापसी हो गई थी। उनकी वापसी ''मेया सम्मान'' की सफलता के कारण ही हो सकी थी। अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में महिलाओं को नकद सहायता देने का वादा किया था। ये अलग बात है कि अभी तक तो वे अपने वादे का सम्मान करने में असफल रहे हैं। भाजपा भी दिल्ली में चुनाव-पूर्व किये गये वादों को क्रियान्वित करने में असफल रही है।

पूरे भारत और खासतौर से बिहार में, महिलाएं चुनाव-प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार रही हैं। वर्ष 2020 के चुनावों में, महिला मतदाताओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया था। उस चुनाव में 59.69 प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाले थे, जबकि केवल 54 प्रतिशत पुरुषों ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। तब 11 विधानसभा क्षेत्रों में तो 70 प्रतिशत से अधिक महिलाओं ने वोट डाले थे तथा अन्य 141 विधानसभा क्षेत्रों में 60 प्रतिशत महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था।

■ जैसा कि आकड़ों से साबित होता है, महिला वोट बैंक केवल किंवदंती नहीं है, 2020 के चुनाव में महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा वोटिंग की थी। महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 59.19 था और पुरुषों का 54 प्रतिशत। इन आंकड़ों के कारण ही आरजेडी ने बिहार में ''माई, बहन, माँ योजना'' की घोषणा की, जिसके तहत हर महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रूपए दिये जायेंगे।

विपक्षी गठबंधन को नेतृत्व प्रदान कर रही आरजेडी भी महिला मतदाताओं के महत्ता से अच्छी तरह परिचित प्रतीत हो रही है। पार्टी नेता तेजस्वी यादव ने भी ''मैं बहन माँ योजना'' की घोषणा कर दी है तथा वादा किया है कि अगर विपक्षी गठबंधन सत्ता में आता है तो प्रत्येक महिला को प्रति माह 2500 रूपए की सहायता दी जायेगी।

केन्द्रीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सैलरी का 53 प्रतिशत हो गया था। अब 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद यह बेसिक सैलरी का 55 प्रतिशत हो गया है। इसका मतलब है कि अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 10,000 रुपये है, तो उसे अब महंगाई भत्ते के रूप में 5500 रुपये मिलेंगे।

म्यांमार में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शहर के पास से गुजरती है इसलिए इसका नाम सागाइंग फॉल्ट पड़ा। यह म्यांमार में उत्तर से दक्षिण की तरफ 1200 किमी तक फैली हुई है।

इसे स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट कहते हैं, जिसका मतलब है कि इसके दोनों तरफ की चट्टानें एक-दूसरे की बगल से हॉरिजॉन्टल दिशा में खिसकती हैं, ऊपर-नीचे नहीं।

यह दरार अंडमान सागर से लेकर हिमालय की तलहटी तक जाती है और पृथ्वी की टेक्टॉनिक प्लेट्स के हिलने-डुलने से बनी है। भारतीय प्लेट उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रही है, जिससे सागाइंग फॉल्ट पर दबाव पड़ता है और चट्टानें बगल में सरकती हैं। म्यांमार में कई बड़े भूकंप इसी सागाइंग फॉल्ट की वजह से आए हैं। इससे पहले 2012 में 6.8 तीव्रता का भूकंप आ चुका है। सागाइंग फॉल्ट के पास 1930 से 1956 के बीच 7 तीव्रता वाले 6 से ज्यादा भूकंप आए थे।

राजस्थान सरकार

अपील

मेरे प्रदेशवासियों,

हमारी सरकार ने इस वर्ष से 30 मार्च के स्थान पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय लिया है। जिस वृहद् राजस्थान के उपलक्ष्य में हम राजस्थान दिवस मनाते हैं, वह भारतीय नववर्ष की तिथि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र इंद्रयोग की शुभ घड़ी में अस्तित्व में आया था। सौभाग्य से इस बार भी वही शुभ संयोग बन रहा है।

इस अवसर पर मैं समस्त प्रदेशवासियों को राजस्थान दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। आपसे अपील करता हूं कि आप अपने घरों, प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर दीपक, मोमबत्तियां या रोशनी के अन्य स्रोतों के माध्यम से राजस्थान की सामूहिक चेतना, सांस्कृतिक गौरव और एकता का प्रकाश फैलाएं। यह रोशनी हमारी गौरवमयी परंपराओं और विरासत के सम्मान के साथ ही हमारी जीवटता, एकता और उज्वल भविष्य की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक बनेगी।

इस पुनीत अवसर पर मैं प्रदेशवासियों के साथ ही विशेष रूप से मातृशक्ति से भी अनुरोध करता हूं कि वे समाज को रोशन करने की इस पहल में अपने परिवार और समुदाय के साथ इस दीपोत्सव में सहभागी बनकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

आप जगमग रोशनी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करें और हैशटैग #Rajasthan Diwas 2025 के साथ इस पर्व को जन-जन तक पहुंचाएं।

जय राजस्थान

धन्यवाद।

भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान सरकार

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908